कोटद्वार, मंगलवार
9 दिसम्बर 2025
वर्षः 48
अंकः 202 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

अब्दुल मलिक को हाईकोर्ट ने नहीं दी जमानत

हल्द्वानी। हल्द्वानी दंगों के कथित मुख्य साजिशकर्ता अब्दुल मलिक को हाईकोर्ट ने सोमवार को जमानत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने प्रदेश सरकार से आरोपी पर लगे सभी आरोपों का पूरा ब्योरा उपलब्ध कराने को कहा है। वहीं, हल्द्वानी दंगे के तीन अन्य आरोपियों दानिश मलिक, जुनैद और अयाज अहमद को जमानत प्रदान की गई। वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की खंडपीठ में कुल 16 मामलों की सुनवाई हुई। इसी दौरान हल्द्वानी नगर निगम के पूर्व पार्षद जीशान परवेज उर्फ सेबू को जमानत नहीं दी गई। मुख्य आरोपी अब्दुल मलिक की ओर से जमानत की मांग करते हुए दलील दी गई कि वह निदोष है और घटना के दिन मौके पर मौजूद नहीं थे। उनके खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य नहीं हैं। इसके अलावा, उनका कहना था कि वह वरिष्ठ नागरिक हैं और पिछले वर्ष फरवरी से जेल में बंद हैं। सरकार की ओर से जमानत का विरोध करते हुए कहा गया कि मलिक मुख्य साजिशकर्ता हैं और उन पर गंभीर आरोप हैं। आरोप है कि उन्होंने सरकारी जमीन पर कब्जा किया और जब प्रशासन की टीम वहां पहुंची तो उन पर हमला किया गया। अदालत ने आरोपी को जमानत देने से इंकार करते हुए सरकार को निर्देश दिए कि वह अदालत में आरोपी पर लगे सभी आरोपों का विवरण पेश करे। सभी आरोपियों के मामलों में अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद होगी।

घर के अंदर नवविवाहिता ने लगाया फंदा, हत्या का आरोप

हरिद्वार। रानीपुर कोतवाली क्षेत्र में एक नवविवाहिता ने कमरे के अंदर फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। शुरुआती जांच में सामने आया कि पति–पत्नी के बीच शादी में न जाने के लिए कहासुनी हुई थी। वहीं, मायके पक्ष ने पति और ससुरालियों पर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, रविवार की रात धर्मेंद्र शर्मा निवासी टिहरी विस्थापित कॉलोनी ने पुलिस को सूचना दी कि उनकी बहू ने कमरे के अंदर पंखे के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। कोतवाली प्रभारी शांति कुमार गंगवार ने बताया कि मृतका की पहचान अंजली शर्मा (22) पत्नी जितेंद्र शर्मा के रूप में हुई। दोनों की एक साल पहले ही शादी हुई थी। जितेंद्र किराये पर गाड़ी चलाने का काम करता है। ससुराल पक्ष के लोगों ने बताया है कि छह दिसंबर को चंदौसी में अंजलि के चाचा के पुत्र की शादी थी। जितेंद्र आर्थिक तंगी के कारण शादी में नहीं जा सका। इस बात को लेकर अंजलि और जितेंद्र में कहासुनी हुई थी। तब ससुर धर्मेंद्र ने उन्हें समझाकर शांत करा दिया। इसके बाद दोनों ने साथ में खाना खाया। कोतवाल ने बताया कि मामला आत्महत्या का है, लेकिन मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। परिजनों की तरफ से अगर लिखित शिकायत मिलती है तो जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अल्मोड़ा पुलिस ने किया तस्कर गिरफ्तार

अल्मोड़ा। जिले में नशे के खिलाफ चल रहे अभियान को बड़ी सफलता मिली है। रविवार देर रात देघाट थाना पुलिस ने एक होंडा अमेज कार से 86.032 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया। बरामद माल की कीमत साढ़े 21 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा देवेंद्र पींचा की ओर से नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए जिलेभर में अभियान तेज किया गया है। इसी क्रम में थानाध्यक्ष देघाट अजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में रविवार देर रात वल्मरा से करीब डेढ़ किलोमीटर आगे सराईखेत रोड पर चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान कार नंबर डीएल 3सीसीजी0504 को रोका गया।

तलाशी में वाहन के अंदर आठ बोरियों में भरा गांजा मिला। पुलिस टीम ने मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बरामद गांजा और वाहन को कब्जे में लेकर थाना देघाट में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पूछताछ में आरोपी ओमप्रकाश (36), निवासी ग्राम महेशपुरा, थाना बाजपुर, जिला उधम सिंह नगर ने खुद को पेशेवर ड्राइवर बताया और कहा कि वह यह गांजा सराईखेत से रामनगर ले जा रहा था।

गिरिराज सिंह का विपक्ष पर हमला

बोले– कुछ लोग वंदे मातरम की बजाय बाबरी मस्जिद को मानते हैं

दिल्ली , केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने संसद में सोमवार को वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में होने वाली चर्चा से पहले विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग वंदे मातरम का सम्मान नहीं करते। वे इसके बजाय बाबरी मस्जिद को मानते हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सोमवार को संसद परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, वंदे मातरम के 150 साल पूरे हुए हैं। बंगाल की धरती से ही आजादी का यह गीत आया था और यह भारत की विरासत है। इस पर संसद में चर्चा जरूरी है। उन्होंने आगे कहा, अगर भारतीय लोकतंत्र के इस भव्य मंदिर में वंदे मातरम पर चर्चा नहीं होगी, तो कहां होगी? कुछ लोग तो वंदे मातरम का सम्मान भी नहीं करते, बल्कि वे इसके बजाय बाबरी मस्जिद को मानते हैं। पश्चिम बंगाल के बेलडांगा में निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर की तरफ से बाबरी मस्जिद की नींव रखे जाने के बाद गिरिराज सिंह ने तृणमूल कांग्रेस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, यह नींव हुमायूं कबीर ने नहीं रखी है, बल्कि ममता बनर्जी ने रखवाई है। अब वह नौटंकी कर रही है और अपने नेताओं व सांसदों से इसके खिलाफ बयान दिलवा रही हैं। केंद्रीय मंत्री ने बंगाल में बाबरी मस्जिद के निर्माण को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का एक हिडेन एजेंडा बताया। उन्होंने कहा, यह नींव सोची–समझी रणनीति के तहत डाली गई है। इसका विरोध सिर्फ बंगाल में नहीं होगा, बल्कि ममता बनर्जी को भी इसकी सजा भुगतनी पड़ेगी। वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय

महासचिव तरुण चुघ ने भी बाबरी मस्जिद विवाद को लेकर ममता बनर्जी पर हमला बोला। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को क्रूरता की प्रतीक बताते हुए तरुण चुघ ने कहा, उन्हें बताना चाहिए कि उनके नेतृत्व में बंगाल में सस्पेंड टीएमसी विधायक बाबर के नाम पर मस्जिदें कैसे बना रहे हैं। देश परशुराम की विचारधारा पर चलेगा, न कि विदेशी हमलावरों और लुटेरों के रास्ते पर। ममता बनर्जी बंगाल को खतरे में डाल रही हैं, लेकिन बंगाल की जनता इसका करारा जवाब देगी।

कमरे में फंदे से लटका मिला बीटेक का छात्र

रुद्रपुर। पंतनगर विश्वविद्यालय के हॉस्टल में सोमवार बीटेक के एक छात्र ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान अक्षत सैनी, निवासी रुड़की, के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, रोज की तरह साथी छात्र नाश्ते के लिए उसे बुलाने पहुंचे, लेकिन कमरे का दरवाजा काफी देर तक खटखटाने के बावजूद कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। संदेह होने पर उसके मौसी के बेटे और अन्य छात्रों ने जोर से आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई हलचल न होने पर दरवाजा तोड़ा गया, जहां अक्षत को फंदे से लटका देखा गया। यह दृश्य देखकर छात्र घबरा गए और तुरंत शोर मचाया। शोर सुनते ही यूनिवर्सिटी प्रशासन, सुरक्षा अधिकारी, वार्डन और प्रबंधन टीम मौके पर पहुंची। तुरंत शव को नीचे उतारा गया और घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पंतनगर थाना प्रभारी नंदन सिंह रावत ने बताया कि शुरुआती जांच में यह आत्महत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। छात्रों से मिली जानकारी के अनुसार अक्षत पिछले एक साल से अवसाद में था और आज उसकी परीक्षा भी थी। वह हॉस्टल में अकेले रहता था, हालांकि पास वाले कमरे में उसका मौसी का लड़का रहता है।

लैंड फॉर जॉब घोटाला :

कोर्ट ने 103 आरोपियों की स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के लिए सीबीआई को दिए दो दिन

नई दिल्ली , दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में लैंड फॉर जॉब (जमीन के बदले नौकरी) घोटाले से जुड़े बहुचर्चित मामले की सुनवाई सोमवार को हुई। इस दौरान अदालत ने सीबीआई को सभी आरोपियों की विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट पेश करने के लिए दो दिन का अतिरिक्त समय दिया। अब अगली सुनवाई 10 दिसंबर को होगी। यह पूरा मामला लालू प्रसाद यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, सांसद मीसा भारती, हेमा यादव और तेज प्रताप यादव सहित कुल 103 आरोपियों से जुड़ा है। सीबीआई ने अपनी जांच और चार्जशीट में दावा किया है कि रेलवे में नौकरी के बदले बड़ी मात्रा में जमीन ली गई और ज्यादातर लेनदेन कैश में किया गया। एजेंसी का आरोप है कि यह प्रक्रिया योजनाबद्ध भ्रष्टाचार का हिस्सा थी। अदालत ने सीबीआई से कहा था कि कई आरोपी अब जीवित नहीं हैं, इसलिए यह साफ होना जरूरी है कि किस आरोपी की क्या स्थिति है। कौन जीवित है, कौन नहीं, किसकी क्या भूमिका है और किनके खिलाफ आगे

कार्रवाई संभव है। इसी जानकारी के लिए कोर्ट ने विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट मांगी थी।सीबीआई ने अदालत से रिपोर्ट तैयार करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा, जिसे कोर्ट ने स्वीकार करते हुए एजेंसी को दो दिनों का समय दिया है।इस मामले में सीबीआई ने चार्जशीट आईपीसी की धारा 120बी (आपराधिक साजिश), 420 (धोखाधड़ी), 468–467 (जालसाजी) , 471 (फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल) के तहत दाखिल की है। इसके अलावा प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट 1988 की धारा 11, 12, 13, 8 और 9 भी शामिल की गई हैं। एजेंसी का आरोप है कि पद का दुरुपयोग कर नौकरी दिलाने के बदले लोगों से जमीन ली गई। कुछ जगह सेल डीड मौजूद हैं, लेकिन अधिकांश ट्रांजैक्शन कैश और हवाला जैसे तरीकों से किए गए। सीबीआई का मानना है कि यह भ्रष्टाचार बड़े पैमाने पर किया गया था। इससे पहले 4 दिसंबर को भी फैसला सुनाने की संभावना जताई गई थी, लेकिन आरोपियों की स्थिति स्पष्ट न होने के कारण फैसला टाल दिया गया था।

होमगार्ड्स स्वयं सेवकों को मिलेगा वर्दी भत्ता : धामी

मुख्यमंत्री ने होमगार्ड्स स्थापना दिवस पर रैतिक परेड का किया निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को ननूरखेड़ा, देहरादून में होमगार्ड्स स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रैतिक परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग की स्मारिका 2025 और विभागीय कैलेंडर 2026 का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने सेवा प्रदत्त एवं दिवंगत होमगार्ड के आश्रितों को चेक भी वितरित किए।

मुख्यमंत्री ने घोषणा कि की होमगार्ड्स स्वयं सेवकों को वर्दी भत्ता अनुमन्य किया जाएगा। राज्य में अर्न्तजनपदीय ड्यूटियों में तैनात होने वाले होमगार्डस स्वयं सेवकों को मिलने वाले भोजन भत्ते को 100 रूपये से बढ़ाकर 150 रुपए प्रतिदिन किया जाएगा। नागरिक सुरक्षा संगठन के स्वयं सेवकों को मिलने वाले प्रशिक्षण भत्ते को 50 रुपए से बढ़ाकर 140 रुपए प्रतिदिन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने 63वें होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना

दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रस्तुत की गई रैतिक परेड अत्यंत गौरवशील है। परेड में राष्ट्र सेवा के प्रति जवानों के समर्पण, साहस और उत्कृष्टता की शानदार झलक देखने को मिली। मुख्यमंत्री ने कहा कि होमगार्ड जवान कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य, समर्पण और अदम्य इच्छा शक्ति के साथ प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था और जनसेवा के दायित्वों को निभाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार ने पहली बार होमगार्ड्स जवानों को 12 आकस्मिक अवकाश प्रदान करने का निर्णय लिया। महिला होमगार्ड्स को प्रसूति अवकाश प्रदान करने की सुविधा भी प्रारंभ की गई है। पुलिस कर्मियों और एनडीआरएफ की भांति 9 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर ड्यूटी करने वाले होमगार्ड्स स्वयं सेवकों को 200 रुपए प्रतिदिन प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय भी लिया गया है। एसडीआरएफ के जवानों के साथ प्रशिक्षित हुए होमगार्ड्स के जवानों को 100 रुपए प्रतिदिन प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जा रही है। इस अवसर पर विधायक उमेश शर्मा काऊ खजान दास, श्रीमती सविता कपूर, मेयर देहरादून सौरभ थपलियाल, मेयर ऋषिकेश शंभू पासवान, कैलाश पंत, श्रीमती मधु भट्ट, श्यामवीर सैनी, सचिव शैलेश बगोली, डीजीपी दीपम सेठ, डी.जी होमगार्ड पी.वी.के. प्रसाद एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

दिल्ली की दो फ्लाइट रद्द होने से बढ़ी मुश्किल

ऋषिकेश। इंडिगो संकट की वजह से यात्रियों की मुश्किलें थम नहीं रही हैं। हर दिन इंडिगो की फ्लाइट रद्द हो रही हैं, जिससे जौलीग्रांट एयरपोर्ट से यात्रियों को मायूस होकर लौटना पड़ रहा है। सोमवार को दिल्ली आने–जाने वाली चार फ्लाइट रद्द रही हैं। जबकि, इंडिगो की ही विभिन्न राज्यों से 11 फ्लाइट एयरपोर्ट पर पहुंची, जिनमें दिल्ली की भी दो फ्लाइट शामिल रही। सोमवार को इंडिगो की फ्लाइट से दिल्ली का सफर करने वाले यात्रियों को ज्यादा दुश्वारियां पेश आई। सुबह और शाम को उन्हें निर्धारित समय पर फ्लाइट कैंसिल मिली, जिसके चलते विमान यात्रियों ने टैक्सी, बस और ट्रेन आदि का रुख किया। एयरपोर्ट प्रशासन के मुताबिक सुबह दिल्ली से 8:55 बजे एयरपोर्ट पहुंचने वाली फ्लाइट नही आई। 45 मिनट बाद जौलीग्रांट एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली फ्लाइट रद्द रही। जबकि, शाम 6:30 बजे आने और सवा सात बजे दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट भी रद्द रही। हालांकि, एयरपोर्ट पर इंडिगो की अहमदाबाद से सुबह 7:55 बजे, जयपुर से सुबह 9:45, हैदराबाद सुबह 11:15 सुबह, कलकत्ता से दोपहर 12:10, दिल्ली से पूर्वाह्न 3:20 बजे, लखनऊ से शाम 4:55 बजे, पुणे शाम 5:05 बजे, बेंगलुरु से शाम 5:20 बजे, मुंबई से शाम को 6:20 बजे, जयपुर से 6:40 बजे और दिल्ली से शाम 7:10 बजे इंडिगो की फ्लाइट एयरपोर्ट पर पहुंची। एयरपोर्ट निदेशक भूपेश नेगी ने बताया कि इंडिगो संकट धीरे–धीरे खत्म होता दिख रहा है। जल्द ही सभी फ्लाइट निर्धारित समय पर आवागमन करेंगी।

शीतकालीन यात्रा के लिए 70 लाख का आवंटन

ऋषिकेश। यात्रियों को शीतकालीन चारधाम यात्रा में आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पर्यटन विभाग ने तीन जिलों को शुरूआती चरण में 70 लाख रुपये का बजट जारी किया है। इस रकम से यात्रा मार्गों पर पार्किंग, रेन बसेरा और शौचालय आदि की सुविधाओं को बेहतर किया जाएगा। जबकि, अन्य जिलों से भी यात्रा प्रशासन संगठन के माध्यम से डिमांड मांगी गई है। राज्य सरकार ने शीतकालीन यात्रा के लिए जिलों को आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए हैं। यात्रा प्रशासन संगठन को व्यवस्थाओं की निगरानी व सहयोग के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी क्रम में उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग जनपद को 25–25 लाख रुपये आवंटित कर दिए गए हैं। जबकि, चमोली जिले को 20 लाख रुपये की धनराशि दी गई है। यात्रा से जुड़े अन्य जनपदों से भी आवश्यक सुविधाओं के लिए यात्रा प्रशासन ने खर्च के प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। वहीं, जल्द ही शीत व ग्रीष्मकालीन यात्रा को लेकर जनवरी के पहले सप्ताह में एक बैठक

भी प्रस्तावित बताई जा रही हैं, जिसमें तीर्थयात्रियों से संबंधित सुविधाओं के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं। मालूम हो कि, इस वर्ष की यात्रा में 51 लाख से ज्यादा तीर्थयात्रियों ने चारधाम समेत श्रीहेमकुंड साहिब के दर्शन किए हैं। ग्रीष्मकालीन यात्रा को भी मांग प्रस्ताव –यात्रा प्रशासन संगठन ने अगले वर्ष की चारधाम यात्रा के लिए गढ़वाल के विभिन्न जिलों से यात्री सुविधाओं के लिए व्यवस्थाओं के लिए अभी से डिमांड मांगनी शुरू कर दी है। हालांकि, अभी किसी भी जिले ने कोई प्रस्ताव संगठन को नहीं दिया है।

दिल्ली एनसीआर में दमघोंटू हवा : दिसंबर की शुरुआत से एक्यूआई बेहद गंभीर

नोएडा । दिल्ली–एनसीआर में वायु गुणवत्ता लगातार खतरे के निशान से ऊपर बनी हुई है। दिसंबर की पहली तारीख से लेकर अब तक हवा की गुणवत्ता अति गंभीर श्रेणी में दर्ज की जा रही है। राजधानी दिल्ली के ज्यादातर मॉनिटरिंग स्टेशनों पर एक्यूआई 320 से 370 के बीच रिकॉर्ड हुआ है, वहीं नोएडा और गाजियाबाद के कई क्षेत्रों में भी हालात बेहद खराब बने हुए हैं। जहरीली हवा के कारण अस्पतालों में सांस से जुड़ी बीमारियों, दमा, एलर्जी और आंखों में जलन की शिकायतों वाले मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। दिल्ली की स्थिति–लगभग हर जगह 'लाल दिखाई दे रही है। दिल्ली के प्रमुख एक्यूआई स्टेशनों से मिले आंकड़े बेहद चिंताजनक हैं। जिनमें आनंद विहार 354, अशोक विहार 337, बवाना 367, बुराड़ी क्रॉसिंग

327, चांदनी चौक 321, सीआरआरआई, मथुरा रोड 301, डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज 330, डीटीयू 343, द्वारका सेक्टर–8 326, नेहरू नगर 350, पटपड़गंज 340, पंजाबी बाग 334, पूसा 353 और आरके पुरम 334 पर दर्ज किया गया है। लगभग सभी स्टेशन गंभीर और अति गंभीर श्रेणी में मेंटेन हैं, जिससे साफ है कि हवा में प्रदूषक कणों की मात्रा खतरनाक स्तर पर पहुंच चुकी है। गाजियाबाद में भी हालात खराब हैं। इंदिरापुरम में 283, लोनी 382, संजय नगर 329 और वसुंधरा में एक्यूआई 307 दर्ज किया गया है। लोनी में गुणवत्ता सबसे खराब दर्ज की गई है, जहां एक्यूआई 380 के पार है।

नोएडा में भी 1 दिसंबर से लेकर 7 दिसंबर तक पीएम 2.5 के स्तर लगातार 'लाल श्रेणी में रहे। जिनमें 1 दिसंबर 321, 2 दिसंबर 393, 3 दिसंबर 365, 4 दिसंबर 308, 5 दिसंबर 339, 6 दिसंबर 344 और 7 दिसंबर को एक्यूआई 317 दर्ज किया गया है। नोएडा में आज दर्ज किया गया एक्यूआई सेक्टर–125 348, सेक्टर–62 300, सेक्टर–1 345, सेक्टर–116 में झ 345 दर्ज किया गया है।

आईएसबीटी परिसर में सुरक्षाकर्मियों पर हमला

देहरादून। आईएसबीटी परिसर में ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मियों पर देर रात लाठी–डंडों से हमला कर दिया गया। जिसमें दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। इनमें से एक सुरक्षाकर्मी की हालत गंभीर बताई जा रही है। आईएसबीटी के कर्मचारी मूलचंद एंक्लेव, शिमला बाईपास निवासी विजय सिंह रावत ने पटेलनगर कोतवाली पुलिस को तहरीर दी। कहा कि घटना बीते एक दिसंबर की रात एक बजे की। रात की ड्यूटी के दौरान उन्हें एक सुरक्षाकर्मी का फोन आया कि कुछ लड़के आपस में लड़ाई करके भाग रहे हैं। सुरक्षाकर्मियों ने मौके पर एक लड़के को पकड़ा। पूछताछ में लड़के ने बताया कि उसके साथ वाले दोस्तों ने ही उसके साथ मारपीट की है। जब सुरक्षाकर्मी उस लड़के को एंट्री गेट पर लाए, तो तभी 5–6 अन्य लड़के वहां पहुंचे। उन्होंने सुरक्षाकर्मियों को धक्का दिया और लाठी–डंडों से दो सुरक्षाकर्मियों पर हमला कर दिया।

उत्तराखंड पावर कारपोरेशन लिमिटेड का दावा...

बिजली दरों में सिर्फ 2.64 प्रतिशत वृद्धि का प्रस्ताव

देहरादूनः उत्तराखंड पावर कारपोरेशन लि. (यूपीसीएल) की ओर से विद्युत दरों में लगभग 16 प्रतिशत की वृद्धि के प्रस्ताव को लेकर अपना तर्क प्रस्तुत किया गया। यूपीसीएल ने कहा कि बिजली दरों में 16 प्रतिशत वृद्धि नहीं की जाएगी। यह ट्रु–अप समायोजन से उत्पन्न वित्तीय जरूरत है। इसका असर उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ेगा।

यूपीसीएल की ओर से कहा गया कि वर्ष 2026–27 के लिए बिजली दरों में 2.64 प्रतिशत सामान्य टैरिफ वृद्धि का प्रस्ताव ही उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग में प्रस्तुत किया जाएगा। टैरिफ प्रस्ताव नियामक आयोग के निर्देश पर

दस दिसंबर तक दायर किए जाएंगे। इसके बाद आयोग अंतिम टैरिफ का आदेश जारी करेगा। यूपीसीएल ने बयान जारी कर कहा कि विद्युत दरों में लगभग 16 प्रतिशत की वृद्धि ट्रु–अप समायोजन से उत्पन्न वित्तीय जरूरत है। यूपीसीएल को 13.59 प्रतिशत समायोजन की आवश्यकता होती है। कहा, यदि यूपीसीएल को उसके वैधानिक दावे समय पर प्राप्त होते, तो यह अंतर उत्पन्न नहीं होता और 16 प्रतिशत का आंकड़ा सामने नहीं आता।

यूपीसीएल ने कहा कि निगम का उद्देश्य उपभोक्ताओं पर अनावश्यक आर्थिक भार डालना नहीं है, 16 प्रतिशत का आंकड़ा केवल ट्रु–अप आधारित तकनीकी गणना का हिस्सा है, इसे नए वित्तीय वर्ष के लिए लागू होने वाली बिजली दरों की वृद्धि के रूप में प्रस्तावित नहीं किया जाएगा।

45 दिन में ही फेल हुआ डोनाल्ड ट्रंप का कराया सीजफायर

इन देशों में फिर छिड़ी जंग

बैंकॉक,थाईलैंड और कंबोडिया के बीच तनाव एक बार फिर युद्ध जैसे हालात में बदल गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में हुए सीजफायर समझौते के बावजूद थाईलैंड ने सोमवार तड़के कंबोडियाई सीमा क्षेत्रों पर एयर स्ट्राइक की। थाई सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल विंथाई सुवारी ने पुष्टि की कि विवादित सीमा क्षेत्र में हवाई कार्रवाई की गई।

दोनों देशों ने एक–दूसरे पर सीजफायर उल्लंघन के आरोप लगाए हैं। थाई सेना ने बताया कि उबोन रत्चाथानी प्रांत के पूर्वी इलाके में हुई झड़पों में एक सैनिक की मौत हो गई और चार घायल हुए। सीमा पर तनाव बढ़ने के बाद थाईलैंड ने स्न–16 लड़ाकू विमानों को भी तैनात कर दिया है। यह विवाद जुलाई में लगभग पांच दिन तक

चले संघर्ष के बाद शांत हुआ था, जिसके लिए ट्रंप और मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने सीजफायर करवाया था। ट्रंप अक्टूबर में कुआलालंपुर में हुए समझौते के गवाह बने थे, लेकिन यह समझौता दो माह भी नहीं टिक सका। थाई मीडिया 'द नेशन के अनुसार, सेना ने सीमा क्षेत्रों में लगातार बढ़ते टकराव की सूचना दी है और नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए तत्परता से कदम उठाए हैं। रविवार को सी सा केट प्रांत के कंथारालक जिले में कंबोडियाई सैनिकों की घुसपैठ के बाद लड़ाई तेज हो गई।

मेजर जनरल विंथाई ने कहा कि सोमवार सुबह करीब 5 बजे नाम युएन जिले के चोंग आन मा इलाके में कंबोडियाई सैनिकों ने छोटे हथियारों और इनडायरेक्ट–फायर हथियारों से हमला शुरू किया, जिसके बाद थाई सेना ने जवाबी कार्रवाई की। रॉयल थाई एयर फोर्स के प्रवक्ता एयर मार्शल जैक्रिट थम्माविचई के मुताबिक, एयर स्ट्राइक सुरानारी टास्क फोर्स के साथ मिलकर की गई। प्रवक्ता ने दावा किया कि कंबोडिया की गतिविधियां थाई राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमा क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और वहां काम कर रहे कर्मियों के लिए सीधे खतरे का कारण थीं। थाई सेना का दावा है कि कंबोडियाई बलों ने भारी हथियार और लड़ाकू यूनिट्स सीमा पर तैनात कर दिए थे। थाईलैंड के अनुसार, इन कदमों ने सैन्य तनाव बढ़ाया और मजबूरन हवाई शक्ति का इस्तेमाल करना पड़ा ताकि कंबोडिया की सैन्य क्षमता को कम किया जा सके और सीमा क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित हो।

तोपखाना रेजिमेंट के 80 कैडेट को मिले सैन्य साजो–सामान

देहरादून। आईएमए से पास आउट होकर रेजिमेंट ऑफ आर्टिलरी (तोपखाना रेजीमेंट) में शामिल होने वाले 80 कैडेटों को सैन्य साजो–सामान दिया गया। समारोह क्लेमनटाउन स्थित गोल्डन की गनर्स की ऑफिसर मैस में रविवार रात हुआ। जिसमें इन कैडेटों ने सैन्य रेजिमेंट की परंपरा भी जानी। यह भावी अफसर आगामी 13 दिसंबर को आईएमए में होने वाली पीओपी में पास आउट होंगे। इसके बाद बतौर लेफ्टिनेंट सेना का अंग बनेंगे। समारोह में मेजर जनरल राजेंदर प्रकाश(सेवानिवृत्त) ने अधिकारी कैडेट्स को संबोधित करते हुए पेशेवरता, ईमानदारी और राष्ट्र सेवा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने की अपील की। उन्होंने शाखा के नए रंगरूटों को नेतृत्व, टीम वर्क और समर्पण के साथ काम करने पर जोर दिया।

जेल में बंद इमरान खान की मुश्किलें बढ़ीं

पाकिस्तानी सांसदों ने सेना का किया समर्थन

कराची , पाकिस्तान की राजनीति में तनाव बढ़ता जा रहा है। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें कम होने के बजाय बढ़ती दिखाई दे रही हैं। कई विपक्षी दलों के नेता और सांसद अब खुलकर सेना के समर्थन में सामने आए हैं और इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ पर राज्य विरोधी बयानबाजी का आरोप लगाया है। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, विपक्षी नेताओं ने दावा किया है कि पीटीआई राज्य संस्थानों को बदनाम करने और देश विरोधी नैरेटिव फैलाने की कोशिश कर रही है। यह

प्रतिक्रिया उस समय सामने आई, जब पीटीआई ने सेना के जनसंपर्क विभाग की प्रेस ब्रीफिंग पर आपत्ति जताई थी, जिसमें प्रवक्ता ने इमरान खान को आत्ममुग्ध और मानसिक रूप से अस्थिर करार दिया था। द्धस्क्क्रप्रवक्ता ने चेतावनी दी थी कि सेना को निशाना बनाकर इमरान खान देश की सुरक्षा के लिए खतरा बन रहे हैं।

सम्पादकीय

पुलिस प्रशिक्षण पर सवाल

अक्सर पुलिस की कार्रवाई को लेकर सवाल उठाते आए हैं जिसे लेकर पुलिस को आलोचना का भी शिकार होना पड़ता है। अभी कुछ दिन पहले ही राजस्थान के पुलिस अधिकारी द्वारा अधिवक्ताओं से अभद्रता के मामले में उन्हें निलंबित किया गया था। इसके बाद पुलिस के प्रशिक्षण एवं आचरण को लेकर भी सवाल खड़े हुए थे। इधर देहरादून में भी नर्सिंग के छात्रों द्वारा वरीयता के आधार पर नियुक्तियां देने की मांग कर रहे लोगों पर पुलिस के आचरण को लेकर हंगामा पैदा हो गया है। यहां आंदोलन कर रही एक छात्रा से कहासुनी के दौरान महिला कांस्टेबल ने एक प्रदर्शनकारी युवती को तमाचा रसीद दिया जिसे लेकर हंगामा हो रहा है। इस मुद्दे को लेकर अलग–अलग प्रतिक्रिया सामने आ रही है लेकिन एक बात तो स्पष्ट है कि किसी भी प्रकार के आंदोलन के दौरान पुलिस का धैर्य खोना उत्तराखंड पुलिस के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है। किसी भी आंदोलन के दौरान दोनों ही पक्षों को धैर्य रखना जरूरी है लेकिन अक्सर देखा गया है कि उत्तेजना में आकर पुलिसकर्मियों द्वारा प्रदर्शन कर रहे लोगों के साथ गलत व्यवहार किया जाता है। यहां भी सोशल मीडिया पर जो पोस्ट वायरल हो रही है उसमें बहस के दौरान महिला पुलिसकर्मी द्वारा अपना आपा खोकर छात्रा को थप्पड़ मारना नजर आ रहा है जो की सही नहीं ठहराया जा सकता। आंदोलन के दौरान किसी भी प्रकार की वार्ता के लिए पुलिस अधिकारी का होना जरूरी है और यदि कोई भी पुलिसकर्मी इस प्रकार की हरकत करता है तो वह पुलिस आचरण के विरुद्ध ही माना जाएगा। जब किसी मांग को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा हो तो इस दौरान अक्सर स्थितियां बिगड़ने की संभावना रहती है और ऐसी स्थितियों पर नियंत्रण पाने के लिए सुरक्षा बलों का संयमित होना तब तक बेहद जरूरी है जब तक की हालात बिगड़ते हुए नजर ना आ रहे हो। यहां ऐसा कुछ भी नहीं प्रदर्शित हो रहा था और महिला कांस्टेबल अपना आपा खोते होते हुए युवती को तमाचा रसीद रही है। अब प्रश्न यह उठता है की परीक्षाएं उत्तीर्ण करने के बाद प्रशिक्षण केंद्रों में पहुंचने वाले पुलिसकर्मी क्या इस मनोदशा के काबिल है कि उन्हें इस प्रकार की परिस्थितियों में तैनात किया जा सके? यदि पुलिसकर्मी अपना आप खाते हुए कहासुनी के दौरान किसी के ऊपर हाथ उठाते हैं तो निश्चित तौर पर समझ जाना चाहिए कि उनका प्रशिक्षण तकनीक स्तर पर कहीं ना कहीं सही नहीं हुआ है। ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए प्रशिक्षण के दौरान निश्चित तौर पर समझाया जाता ही होगा लेकिन क्या धरातल पर पुलिसकर्मी इस प्रकार का व्यवहार करते हैं जो समस्या को उत्पन्न ही न होने दे? उत्तराखंड पुलिस के आल्हा अधिकारियों को इस प्रकार के पुलिसकर्मियों के आचरण के बाद दिशा निर्देश जारी करने चाहिए ताकि आंदोलन स्थल पर हालत बिगड़ने न पाएं। हो सकता है धरना स्थल पर तैनात किए गए पुलिस कर्मियों की मनोदशी सही ना हो और वह अपनी विभिन्न समस्याओं की बड़ा प्रदर्शन कार्यों पर उतार देते हो। ऐसी परिस्थितियों में प्रशिक्षण के वह चरण काम आते हैं जिसमें भीड़ से निपटने के लिए विशेष तौर पर सुरक्षा बलों को तैयार किया जाता है। यदि पुलिसकर्मी ही हालातो को बिगाड़ने पर तुल आएं, तो फिर भीड़ का हिस्सा कब उत्तेजित होकर हिंसा पर उतारू हो जाए कुछ कहा नहीं जा सकता। विभाग को ऐसा आचरण करने वाले पुलिस कर्मियों पर निश्चित तौर पर कार्रवाई करनी चाहिए और साथ ही प्रशिक्षण के दौरान इस प्रकार के हालातो को नियंत्रित करने के लिए विशेष व्यवस्था करनी चाहिए। हाल ही में उत्तराखंड अधीनस्थ चयन सेवा आयोग की परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर बेरोजगार संघ का लंबा धरना हुआ था जिसमें पुलिसकर्मियों ने ही नहीं बल्कि आंदोलनकारी छात्रों ने भी बेहद संयम का परिचय देते हुए एक मिसाल कायम की थी। इसी प्रकार से दोनों पक्षों को अपनी उत्तेजनाओं पर काबू रखना चाहिए ताकि हालत बिगड़ने न पाए।

महिलाओं के नेतृत्व वाली प्रगति पर फोकस करने की ज़रूरत

लक्ष्मी पुरी

लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण हमारे उज्जवल आज और बदलते कल के लिए बेहद ज़रुरी आधार है। तेज़ रफ्तार से आगे बढ़ते इस वक्त में हम लैंगिक समानता हासिल करने के लिए एक और शताब्दी तक इंतज़ार नहीं कर सकते। नारी शक्ति और भारत की विश्व को सभ्यतागत देन, महिलाओं को देवी के रूप में देखने की मूल अवधारणा को अब महज़ एक प्रतीक से आगे ले जाकर व्यावहारिक जीवन में लाना होगा और महिलाओं के प्रति सम्मान की हमारी विरासत को महिलाओं के नेतृत्व वाले सतत् विकास के मार्ग पर ले जाना होगा।

जब आधी मानवता की स्वतंत्रता और जीवन जीने के अवसर बढ़ते हैं, तो नए समाज में फिर से एक नई ऊर्जा का संचार होता है। लैंगिक समानता अपने आप में एक आदर्श विचार है, और सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, तकनीकी और पर्यावरणीय प्रगति का एक शक्तिशाली कारक भी है। मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट की 2015 की रिपोर्ट, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों पर आधारित वर्ष 2024 का विश्लेषण और ईवाय का इंडियाञ्च100 कार्य, मिलकर एक ठोस आर्थिक तर्क पेश करते हैं: लैंगिक अंतर को कम करने से सकल घरेलू उत्पाद में 20 से 30त्न की वृद्धि हो सकती है और यह भारत के लिए 2047 तक 28 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए बेहद ज़रुरी है।

भारत एक जनसांख्यिकीय दौर से गुज़र रहा है। हमारी युवा आबादी का तभी लाभ उठाया जा सकता है, जब वह महिलाओं के लिए फायदेमंद हो। प्रजनन क्षमता घट रही है और लड़कियों तथा युवतियों की महत्वाकांक्षाएँ बढ़ रही हैं, भारत अब उच्च शिक्षा में लगभग बराबरी पर है और करीब 43त्न स्टेम छात्राएँ हैं। कई सालों तक महिलाओं के काम को अनौपचारिक और अदृश्य बनाए रखने के बाद, आखिरकार महिलाओं की श्रमशक्ति में भागीदारी फिर से बढ़ने लगी है और अब इसे बेहतर गुणवत्ता, औपचारिक और भविष्य के लिए तैयार नौकरियों में तब्दील होना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की एक खास विशेषता ऐसे प्रमुख कार्यक्रमों को लक्षित करना है, जिनमें महिलाएँ प्रमुख लाभार्थी हैं। इसके अलावा बुनियादी ढाँचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े ऐसे कार्यक्रम भी सरकार के फोकस में हैं, जो लैंगिक भेदभाव के प्रति संवेदनशील हैं। छात्रवृत्ति, छात्रावास और आरक्षित सीटों ने उच्च एवं तकनीकी शिक्षा में महिलाओं की मौजूदगी को बढ़ाया है और ज्ञान, स्वास्थ्य, हरित और देखभाल अर्थव्यवस्थाओं में उनके लिए नए रास्ते खोले हैं। डिजिटल मिशन और ग्रामीण कार्यक्रमों ने करोड़ों महिलाओं को प्रशिक्षित किया है और उनके हाथों में किफायती डेटा वाले स्मार्टफोन और जन धन खाते दिए हैं, जिससे उन्हें सूचना, बाज़ार और सेवाओं तक सीधी पहुँच मिली है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा, स्वच्छ भारत और प्रधानमंत्री आवास जैसी प्रमुख योजनाओं ने करोड़ों महिलाओं को स्वच्छ ऊर्जा, ऋण तक पहुँच, स्वच्छता और सुरक्षित आवास जैसी सुविधाएं दी हैं, जबकि सुकन्या समृद्धि और लखपति दीदी जैसी योजनाओं ने उनके बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और उनकी आय में बढ़ोत्तरी को मुमकिन बनाया है। अब अगले स्तर पर उन्हें निर्णायक रूप से लाभार्थी से अधिकार पति, यानी

अधिकारों के प्राप्तकर्ता से पूर्ण अधिकार धारक और अर्थव्यवस्था तथा समाज में फैसला लेने वाली महिला के रूप में स्थापित करना होगा। 2030 तक लैंगिक समानता पर सतत् विकास लक्ष्य 5 को प्राप्त करने का यही असल सार है।

भारत में अंतर्संबंध का अर्थ है, कि कई महिलाओं को गरीबी, जाति, जनजाति, धर्म, दिव्यांगता या स्थान के कारण कई स्तरों पर मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। तीन तलाक के उन्मूलन ने मुस्लिम महिलाओं के विवाह अधिकारों को मज़बूत किया है। जनजातीय पृष्ठभूमि की महिला, द्रौपदी मुर्मू का भारत के राष्ट्रपति के रूप में चुनाव इस बात का प्रतीक है कि हाशिए पर रहने वाले समाज की महिला एक गणतंत्र में किस ऊँचाई तक पहुँच सकती है और लैंगिक और सामाजिक न्याय के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को और गहरा कर सकती है। मौजूदा वक्त में हमें जिस कल का निर्माण करना है, वह ऐसा होना चाहिए, जिसमें विकास के ऐसे उदाहरण, असाधारण न होकर, व्यवस्था का हिस्सा हों और व्यापक रुप से दिखाई दें।

हिंसा से मुक्ति, एक लैंगिक समानता वाले समाज का अनिवार्य आधार बनी हुई है। घरेलू दुर्व्यवहार और मानव तस्करी से लेकर कार्यस्थल पर उत्पीड़न और ऑनलाइन घृणा तक, महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हर प्रकार की हिंसा को खत्म करना, हमारे एजेंडे में सबसे ऊपर होना चाहिए, साथ ही महिलाओं के स्वास्थ्य और यौन तथा प्रजनन अधिकारों पर निरंतर काम करना चाहिए, जो स्वायत्तता और सम्मान की गारंटी देते हैं।राजनीतिक आवाज़ और नेतृत्व हर दूसरे हस्तक्षेप के प्रभाव को कई गुना बढ़ा देते हैं और महिलाओं को भविष्य के नियमों को आकार देने की ताकत देते हैं। जमीनी स्तर पर, पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों में 33त्न से 50त्न आरक्षण ने 15 लाख महिला नेताओं को जन्म दिया है। लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने वाला नारी शक्ति वंदन अधिनियम, कानून निर्माण और शासन में वास्तविक समानता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। जैसा कि हाल ही में बिहार में देखा गया, महिलाएँ चुनावी नतीजों को भी नया रूप दे रही हैं, जहाँ जागरूक मतदाता सुरक्षा, गतिशीलता, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के क्षेत्र में काम करने वाली सरकारों को चुन रहे हैं।

संस्कृति एक बुनियादी ढाँचा है, जिसके ज़रिए कोई भी समाज खुद को समझता है और अपने भविष्य की कल्पना करता है। सदियों से, इसका निर्माण पितृसत्ता के पुरुषवादी दृष्टिकोण से हुआ है, यहाँ तक कि उन सभ्यताओं में भी जहाँ महिलाओं की पूजा की जाती थी। आज, मीडिया और साहित्य से लेकर सिनेमा, संगीत, खेल और डिजिटल सामग्री तक, रचनात्मक उद्योगों में महिलाएँ उस पटकथा को नए सिरे से लिख रही हैं और देवी के विचार को दोबारा एक नई परिभाषा दे रही हैं, ताकि उनके प्रति श्रद्धा को घर, अर्थव्यवस्था और सार्वजनिक क्षेत्र में समान अधिकार, समान सम्मान और साझा ज़िम्मेदारी के रूप में दर्शाया जा सके।परिवर्तन के अगले स्तर का नेतृत्व अब संसदों के साथ–साथ कार्यालयों, बोर्ड रूम, प्रयोगशालाओं और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म से भी होना चाहिए। सरकारी विभागों और राजनीतिक दलों से लेकर विश्वविद्यालयों, अनुसंधान परिषदों, स्टार्टअप्स और बड़े निगमों तक, हर संस्थान को लैंगिक समानता को अपने डीएनए में शामिल करना होगा। इसका अर्थ है कि लैंगिक समानता वाली शिक्षा से लेकर नौकरियों की मूल्य श्रृंखला तक, जहाँ लड़कियाँ कक्षाओं से आगे बढ़कर व्यापक उद्योग 4.0 व्यवस्था तंत्र में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में करियर बना सकें। इसका एक दूसरा अर्थ ये भी है कि कॉर्पोरेट नेता और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, भर्ती, प्रतिधारण, दोबारा प्रवेश और पदोन्नति में समानता के लिए प्रतिबद्ध हों और वरिष्ठ प्रबंधन और बोर्ड में और ज्यादा महिलाओं को शामिल करें। इसके लिए एक शोध और नवाचार प्रणाली और एक स्टार्टअप संस्कृति को तैयार करना होगा, जहां महिला संस्थापक, वैज्ञानिक और रचनाकार समान शर्तों पर ऋण, मार्गदर्शन और बाज़ार तक पहुँच सकें।

जी–20 की अध्यक्षता के दौरान, भारत ने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को एजेंडे के केंद्र में रखा, डिजिटल लैंगिक अंतर को पाटने, महिलाओं की श्रमशक्ति में भागीदारी बढ़ाने और महिला उद्यमिता और नेतृत्व का विस्तार करने की प्रतिबद्धताएँ ज़ाहिर कीं। सशक्त महिलाएँ हमारे युग की महान बदलावकारी शक्ति हैं। अपने परिवारों, समुदायों, देशों और दुनिया को बदलने वाली परिवर्तित महिलाओं के रूप में, वे जनसांख्यिकीय लाभ उठाते हुए महिलाओं और लड़कियों को आज़ादी, विकल्प और सम्मान से जीवन जीने में सक्षम बनाती हैं। भारत अगर इस आंदोलन को इसी रफ्तार से आगे बढ़ाता है, तो एक अग्रणी शक्ति के रूप में इसकी दूसरी पारी की शुरूआत, 2047 तक विकसित भारत की यात्रा से शुरू होगी, वो यात्रा जो नारी शक्ति द्वारा प्रज्वलित और संचालित होगी।

प्रदेशों की राजधानियों में भोपाल अपना अलग स्थान रखता है

अजय दीक्षित

देश के उत्तर भारत के सभी राज्यों की राजधानियों का अगर अध्ययन किया जाए तो सबसे शांत मप्र की राजधानी भोपाल ही एक ऐसा शहर है जो प्राकृतिक रूप से काफी सम्पन्न है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊदेश की राजधानी दिल्ली, बिहार की राजधानी पटना , राजस्थान की राजधानी जयपुर, गुजरात की राजधानी गांधीनगर, महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई यहां तक कि हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला से भी अधिक प्राकृतिक सौन्दर्य बिखरा हुआ है भोपाल में। भोपाल आजादी से पहले एक मुस्लिम प्रिंसली स्टेट थी और नबाब शासक हुआ करता था जिसमें अब के रायसेन, होशंगाबाद,आदि जिले भी थे । कहने को तो रियासत थी भोपाल मगर बहुत छोटी थी । आजादी के बाद बेगम सुल्तान अब जहांनुमा पैलेस से हुक्म चलाती थीं।भोपाल बड़े और छोटे तलाव के साथ 100 किलोमीटर रेडियस में जंगलों से घिरा था । इतिहास कार और मप्र के मुख्य सचिव रहे एम एन बुच ने अपनी पुस्तक डिस्कवरी भोपाल में लिखा है कि भोपाल सतपुड़ा की पहाड़ियों से घिरा एक जंगल ही था जहां बहुत ज्यादा मात्रा में जंगली जानवर थे ।बांस, पाखर, बट,पीपल,का घना जंगल था ।

जब प्रथम प्रधानमंत्री स्व जवाहर लाल नेहरू ने 1956 में मध्य प्रदेश राज्य बनाया तब राजधानी बनाने का प्रश्न उत्पन्न हुआ। चूंकि मध्यप्रदेश में विदर्भ, छत्तीसगढ़ ,मध्यभारत,भोपाल, महाकौशल, विंध्य प्रदेश का विलय हुआ था तो ग्वालियर सबसे बड़ी प्रिंसली स्टेट थी।महाराजा जीवाजी राव चाहते थे कि ग्वालियर राजधानी बने उधर इंदौर भी बड़ा शहर था। लेकिन जवाहरलाल नेहरू ने बात मानी पूर्व राष्ट्रपति और तत्कालीन मुख्यमंत्री भोपाल शंकर दयाल शर्मा की और भोपाल को राजधानी घोषित किया उसमें मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री रविशंकर शुक्ल की भी सहमति थी ।जब विधानसभा भवन की समस्या आयी तो मिंटो हॉल का चयन किया गया था।

तत्कालीन समय में भोपाल रोशनपुरा तक ही था जिसमें पुलिस हेडक्वार्टर, मिंटो हॉल,भोपाल स्टेशन, बस स्टैंड, और पुराने भोपाल की बस्ती शामिल थी । आजादी के बाद भोपाल में एम जी एम मेडिकल कॉलेज, मौलाना आजाद इंजीनियरिंग कॉलेज, हमीदिया होस्टिटल, न्यू मार्केट,बनी ,

1960 के दशक में भोपाल में राजधानी के हिसाब से बल्लभ भवन, मंत्रियों के आवास 74 बंगले,चार इमली में बंगले, माध्यमिक शिक्षा मंडल, और कई प्रतिष्ठानों का निर्माण कार्य किया गया।अब भोपाल लगभग 20 किलो मीटर रेडियस में है। लेकिन अभी भी देश की पूर्वोत्तर राज्यों की राजधानियों को छोड़ दें तो भोपाल जैसा सकून, शांति, तापक्रम,बारिश,सफाई, पर्यावरण संरक्षण,कहीं नहीं है।अभी भी मात्र 18 लाख की जनसंख्या है। हालांकि भोपाल में भी बहुत निर्माण कार्य किया गया है। राजधानी क्षेत्र के चलते प्रत्येक विभाग के मुख्यालय, प्रशासनिक अकादमी,ट्रेनिंग सेंटर,नई विधानसभा, नया मंत्रालय, बनाए गए है लेकिन निर्माण कार्य की इजाजत देने वाली संस्थाओं ने पर्यावरण से समझौता नहीं किया है ।नए भोपाल में सिविल सोसाइटी बनी है ।

भोपाल की खास बात यह भी है कि वहां कोई बहुत बड़ा बाजार नहीं है सभी कुछ बिखरा हुआ है।

भोपाल ही एक ऐसा राजधानी क्षेत्र जहां राष्ट्रीय बन अभ्यारण्य भी है।भोपाल की सबसे बड़ी खूब सुरती बड़ा तलाव है जो शायद भारत वर्ष सबसे बड़ा है। के-रवा बांध, भदभदा ,कलिया सोत बांध भी जल संरक्षण के है । पूरे भारत में राज्यों की राजधानियों में अगर श्री नगर, देहरादून,गांधीनगर ही महानगरों के माप दंडों में भोपाल जैसे है जिनमें देहरादून तो हिमालय की गोद में बसा है जबकि गांधीनगर गुजरात की राजधानी के रूप में 1966 में अस्तित्व में आया है। श्रीनगर तो बताते हैं कि भारत का स्विट्जरलैंड है होकर हिमालय की में ही बसा है और वहां पर पर्यटन ही है एक भी औद्योगिक इकाई नहीं है।बस हिमालय में चीड़ और देवदार के वृक्ष ही है और घास के मैदान झेलम, चिनाव,जैसी नदियां है।

एसआईआर प्रक्रिया से असंतुष्ट

हालांकि सवोच्च न्यायालय ने निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी किया है, मगर उसके रुख से नहीं लगता कि वह एसआईआर प्रक्रिया से असंतुष्ट है। लेकिन यह कहानी का सिर्फ एक पक्ष है। इसका दूसरा पक्ष राजनीतिक दायरे में घट रहा है। सुप्रीम कोर्ट की ताजा टिप्पणियां मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को बल प्रदान करने वाले हैं। सवोच्च न्यायालय ने दो टूक कहा है कि निर्वाचन आयोग को एसआईआर कराने का वैधानिक एवं संवैधानिक अधिकार है। अतः उसने फिलहाल 12 राज्यों में चल रही इस प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट की खंडपीठ ने एसआईआर के खिलाफ दलील दे रहे वकीलों से पूछा कि क्या किसी विदेशी नागरिक ने आधार कार्ड बनवा लिया हो, तो उसे वोट डालने का हक भी मिल जाना चाहिए? एक मौके पर बेंच ने यह भी कहा कि बिहार में एसआईआर के सिलसिले में ऐसी कोई मिसाल सामने नहीं आई कि लोगों के नाम जानबूझ कर मतदाता सूची से हटाए गए हों। हालांकि कई राज्यों की याचिका पर न्यायालय ने निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी किया है, मगर उसके रुख से नहीं लगता कि वह इस प्रक्रिया से असंतुष्ट है। लेकिन यह कहानी का एक पक्ष है। इसका दूसरा पक्ष राजनीतिक दायरे में घट रहा है। तमाम विपक्षी पार्टियां इस प्रक्रिया के पीछे की मंशा, इस पर अमल के तरीके और इस दौरान कुछ समुदाय विशेष के लोगों के नाम काट जाने का इल्जाम रोजमर्रा के स्तर पर जोरशोर से लगा रही हैं। बूथ लेवल ऑफिसरों पर बढ़े काम के दबाव, उनमें से कुछ की कथित आत्महत्या या मौतों, कुछ के नौकरी से इस्तीफा देने आदि जैसी घटनाएं व्यापक से चर्चित हुई हैं। इन मामलों से यह प्रक्रिया और अधिक विवादास्पद हो गई है। परिणाम यह हो रहा है कि चुनाव से संबंधित प्रक्रियाओं और इनका संचालन करने वाली संस्था एवं प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर अविश्वास की खाई और चौड़ी हो रही है। इसका दूरगामी असर होगा। इससे एक ऐसा मत–विभाजन पैदा हो रहा है, जिसकी वजह से भविष्य में हर चुनाव की पृष्ठभूमि संदिग्ध बनी रहेगी। हैरतअंगेज है कि निर्वाचन आयोग ने इसे और इसके संभावित नतीजों को समझने या उनके प्रति संवेदनशीलता दिखाने की तनिक भी जरूरत महसूस नहीं की है।

दर्शन स्टारर द डेविल का ट्रेलर रिलीज़, 11 दिसंबर रिलीज होगी फिल्म

दर्शन स्टारर द डेविल 11 दिसंबर, 2025 को थिएटर में रिलीज़ होने वाली है। यह फिल्म रेणुकास्वामी की हत्या में एक्टर के कथित तौर पर शामिल होने को लेकर चल रहे विवाद के बीच रिलीज़ हो रही है। जेल में होने के बावजूद, दर्शन के फैंस फिल्म के रिलीज़ होने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। ट्रेलर ने पहले ही चर्चा बटोर ली है, जिसमें दर्शन के मुश्किल किरदार को एक संभावित ऑल्टर पर्सनैलिटी के साथ दिखाया गया है।फिल्म में अच्युत कुमार, रचना राय, महेश मांजरेकर और शर्मिला मांड्रे जैसे शानदार कलाकार हैं। श्री जयमाथा कंबाइन्स की जे जयम्मा द्वारा प्रोड्यूस की गई, सारेगामा योडली फिल्म्स के साथ मिलकर बनाई गई, द डेविल एक पॉलिटिकल सबप्लॉट के साथ एक एक्शन से भरपूर थ्रिलर होने का वादा करती है। प्रोडक्शन टीम में स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर प्रकाश, डायलॉग राइटर के तौर पर कंथराज एसएस और म्यूजिक कंपोजर के तौर पर अजनीश लोकनाथ शामिल हैं।द डेविल की प्रोडक्शन टीम ने इस प्रोजेक्ट को असलियत में बदलने के लिए बहुत मेहनत की है। एक्शन सीक्वेंस राम–लक्ष्मण ने कोरियोग्राफ किए हैं, जबकि संथु मास्टर ने डांस नंबर्स संभाले हैं। हरीश कोम्मे एडिटिंग के इंचार्ज हैं, और मोहन बी केरे आर्ट डायरेक्टर हैं। दिलचस्प बात यह है कि यह पहली बार नहीं है जब दर्शन को किसी फिल्म की रिलीज़ के दौरान कॉन्ट्रोवर्सी का सामना करना पड़ा है। 2011 में, उनकी फिल्म सारथी तब रिलीज़ हुई थी जब वह घरेलू हिंसा के एक केस में जेल में थे, और यह थिएटर में 100 दिनों तक चली थी।

टी20 वर्ल्ड कप–2026 से पहले पाकिस्तान टीम में होंगे बड़े बदलाव?

कराचीः पाकिस्तान की टी–20 टीम के कप्तान सलमान अली आगा ने अगले साल के शुरू में होने वाले पुरुष टी–20 विश्व कप के लिए अपनी टीम में किसी भी बड़े बदलाव से इन्कार किया और कहा कि पिछले कुछ महीनों में खिलाड़ियों को उनकी विशिष्ट भूमिकाएं सौंपे जाने के बाद टीम में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पाकिस्तान ने इस वर्ष एशिया कप के फाइनल में भारत से मिली हार के बाद बड़े बदलाव करते हुए अब्दुल समद, बाबर आजम, उस्मान खान और नसीम शाह को टीम में शामिल किया था। पाकिस्तान ने इसके बाद दक्षिण अफ्रीका को घरेलू मैदान पर तीन मैचों की टी20 सीरीज में हराया और फिर पिछले महीने जिम्बाब्वे और श्रीलंका के साथ खेली गई त्रिकोणीय सीरीज जीती।

खिलाड़ी को दी गईं भूमिकाएं

सलमान ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पॉडकास्ट पर कहा कि मुझे विश्व कप से पहले राष्ट्रीय टी–20 टीम में कोई बड़ा बदलाव नजर नहीं आता है। मुझे लगता है कि हमारा मौजूद संयोजन विश्व कप में भी बरकरार रहेगा। पिछले कुछ महीनों में प्रत्येक खिलाड़ी को कुछ विशिष्ट भूमिका दी गई और टीम के प्रदर्शन में उसके बाद सुधार हुआ है। पाकिस्तान को विश्व कप से पहले छह टी–20 मैच खेलने हैं। विश्व कप अगले साल सात फरवरी से आठ मार्च तक भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। सलमान ने कहा कि मैचों की सीमित संख्या के कारण बड़े बदलाव करना मुश्किल होगा।

रणवीर सिंह की धुरंधर का बॉक्स ऑफिस पर धमाल

पिछले काफी समय से दर्शकों को रणेवीर सिंह की फिल्म धुरंधर का इंतजार था। 5 दिसंबर को ये फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया। इसने न सिर्फ रणवीर के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग दर्ज की, बल्कि 2025 की पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की सूची में भी अपनी जगह बना ली। आइए जानें पहले दिन धुरंधर ने बॉक्स ऑफिस पर क्या कमाल किया। फिल्म की एडवांस बुकिंग पहले से ही शानदार रही थी, इसलिए धुरंधर की अच्छी ओपनिंग की पूरी उम्मीद जताई जा रही थी, लेकिन ये फिल्म अनुमान से कहीं ज्यादा आगे निकल गई। एडवांस बुकिंग में ही लगभग 9 करोड़ रुपये जुटा चुकी धुरंधर से उम्मीद थी कि ये पहले दिन 15 से 20 करोड़ रुपये का कारोबार कर लेगी, मगर फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ऐसी छलांग लगाई कि ट्रेड पंडितों की भविष्यवाणियों को भी गलत साबित कर दिया। सैकनिल्क के मुताबिक, धुरंधर ने पहले दिन भारत में 27 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ ही ये रणवीर के करियर की सबसे बड़ी ओपनर बन गई है।

राहु केतु का नया पोस्टर जारी, पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा का दिखा मजेदार अंदाज

फिल्म फुकरे वाली जोड़ी एक बार फिर दर्शकों के बीच लौटने के लिए बिल्कुल तैयार है। अभिनेता पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा अपनी आगामी कॉमेडी–ड्रामा फिल्म राहु केतु लेकर आ रहे हैं। फिल्म का टीजर कुछ दिन पहले जारी किया गया था, जिसे देखने के बाद से लोग फिल्म के लिए उतावले हो गए हैं। अब निर्माताओं ने फिल्म राहु केतु से दिलचस्प और मजेदार पोस्टर साझा किया है जो लोगों की उत्सुकता को और बढ़ा देगा। फिल्म राहु केतु का पोस्टर साझा करते हुए हुए निर्माताओं ने लिखा, पापियों बचके रहना, क्योंकि सबकी दशा और दिशा बदलने आ रहे हैं राहु केतु! इस पोस्टर में पुलकित और वरुण को राहु और केतु के अवतार में दिखाया गया है, जो देखने में बेहद दिलचस्प है। फिल्म में शालिनी पांडे, अमित सियाल और चंकी पांडे भी अहम किरदार में हैं। विपुल विग द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म को 16 जनवरी, 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

हार्दिक पांड्या के आने से टीम इंडिया की सबसे बड़ी कमी हुई दूर

नई दिल्ली। भारत की टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का कहना है कि हार्दिक पंड्या की वापसी उस रणनीतिक गहराई और संतुलन को फिर से मजबूती देगी जिसने एशिया कप में भारत की शानदार सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ मंगलवार से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज में यह संतुलन टीम के लिए बड़ी ताकत साबित हो सकता है।

बाएं पैर की चोट के कारण एशिया कप फाइनल से बाहर रहे भारत के स्टार ऑलराउंडर पांड्या अब पूरी तरह से फिट हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में वापसी के बाद उन्होंने बेहतरीन फॉर्म भी दिखाई है। अगले साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप से पहले उनकी मौजूदगी टीम को वैसा ही लचीलापन और संतुलन देती है जैसा भारत ने एशिया कप के दौरान दिखाया था। खासकर नई गेंद से उनकी गेंदबाजी भारत को तीन या चार स्पिनर खिलाने की सुविधा देती है जो टीम संयोजन को काफी मजबूत बनाती है।

मिलता है फायदा

कटक के बराबाती स्टेडियम में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला जाने वाले मैच से पहले सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में सूर्यकुमार ने कहा, "एशिया कप में जब वह नई गेंद से गेंदबाजी कर रहे थे, तब उन्होंने प्लेइंग इलेवन को लेकर कई विकल्प और संयोजन खोल दिए थे। यही उनकी खासियत है। बड़े मैचों और आईसीसी टूर्नामेंटों में उनका अनुभव टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उनकी मौजूदगी टीम को बेहतरीन संतुलन देगी।" पांड्या कटक एक दिन पहले पहुंचे और अकेले अभ्यास किया। उन्होंने सोमवार के वैकल्पिक अभ्यास में हिस्सा नहीं लिया, लेकिन कप्तान ने स्पष्ट किया कि पांड्या और गर्दन की अकड़न से उबर चुके शुभमन गिल दोनों ही उपलब्ध रहेंगे। सूर्यकुमार ने कहा, "फिलहाल दोनों बिल्कुल फिट और स्वस्थ दिखाई दे रहे हैं।"

एक नजर

कल्जीखाल में दो स्कूलें आज भी रहेंगी बंद

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : गुलदार के डर से अब कल्जीखाल ब्लॉक के भी तीन स्कूलों को सोमवार को बंद रखा गया। इस मामले में वन विभाग की रिपोर्ट के बाद शिक्षा विभाग ने यह कदम उठाया।

कल्जीखाल ब्लॉक के प्राइमरी स्कूल रिंग्वाड और जूनियर हाईस्कूल सरासू को मंगलवार को भी बंद रखा गया। कल्जीखाल के खंड शिक्षाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि आस-पास गुलदार की सक्रियता के बाद यह निर्णय लिया गया। वहीं इसी ब्लॉक की रामावि. डांगी स्कूल को गांव के पंचायत भवन में संचालन की अनुमति दे दी गई है। यहां भालू की सक्रियता के कारण स्कूल को सोमवार को बंद रखा गया था। अभी इस मामले में वन विभाग की रिपोर्ट ली जा रही है। यहां 6 बच्चे पंजीकृत हैं। पौड़ी जिले में गुलदार के डर से पहले ही पोखड़ा ब्लाक की बासई स्कूल गांव के पंचायत भवन पर संचालित हो रही है। डांगी ऐसी दूसरी स्कूल है जिसे पंचायत भवन पर संचालन करना पड़ रहा है।

पाबौ में भालू फिर सक्रिय, दहशत में ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिले के पाबौ क्षेत्र में भालू फिर सक्रिय हो गया है। पाबौ में भालू के दिखाई देने के बाद ग्रामीणों में फिर दहशत बन गई है। भालू सक्रिय होने की रिपोर्ट पट्टी पटवारी ने भी दी है।

एसडीएम पौड़ी को भेजी अपनी रिपोर्ट में पटवारी ने कहा है कि पपड़तोली कलगढ़ी और मूसागली में भालू की अत्यअधिक सक्रियता देखी जा रही है। शाम 5 बजे के बाद क्षेत्र की मुख्य सड़कों पर ग्रामीणों ने एक साथ 2 भालू देखे हैं। ऐसे में यहां पिंजरा लगाने और गश्त करने की जरूरत बताई गई है। पाबौ में भालू के दिखाई देने के बाद ग्रामीणों में फिर दहशत बन गई है। पाबौ में इससे पहले एक महिला को भालू ने हमला कर घायल कर दिया था। वहीं थलीसैंण में सक्रिय भालू ने अब तक 40 से अधिक मवेशियों को मार दिया है।

आदमखोर घोषित गुलदारों को मारने के स्थायी आदेश देने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोकने को लेकर सोमवार को नागरिक कल्याण एवं जागरूक विकास समिति के नेतृत्व में लोगों ने डीएम परिसर के बाहर धरना दिया। समिति ने डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजते हुए आदमखोर घोषित गुलदारों को मारने के स्थायी आदेश, प्रभावित क्षेत्रों में सोलर फेंसिंग और रात में गश्त, मुआवजा राशि बढ़ाने, हथियार लाइसेंस प्रक्रिया सरल करने और स्थायी आयोग के गठन की मांग की है।

सोमवार को धरना देते हुए समिति से जुड़े लोगों ने बीते दिनों गजल्ड और जयहरीखाल क्षेत्र में मानव वन्यजीव के हमलों से हुई मौतों का जिक्र करते हुए कहा गया कि लगातार बढ़ रही घटनाओं से लोग भय और असुरक्षा में जी रहे हैं। समिति के अध्यक्ष रघुवीर सिंह रावत ने कहा कि अब आश्वासनों से काम नहीं चलेगा। यदि मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को व्यापक किया जाएगा।

इस मौके पर शिवप्रसाद रतूड़ी, सरदार सिंह रावत, मकान सिंह, ठाकुर सिंह नेगी, भरत सिंह, नरेश चंद्र नौड़ियाल, वीरेंद्र सिंह बिष्ट, सुरेंद्र सिंह, मंजू नेगी, हरीशचंद्र, खड़क सिंह रावत, हुकुम सिंह टम्टा आदि मौजूद थे।

गढ़वाल विवि के छात्रों को दिया आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विश्वविद्यालय के बिड़ला परिसर स्थित एसीएल सभागार में सोमवार को बीएससी प्रथम वर्ष के छात्रों को आपदा प्रबंधन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण पौड़ी के मास्टर ट्रेनर किशन सिंह पंवार ने छात्रों को आपदाओं के प्रकार, उनके प्रभाव और प्रारंभिक रिस्पांस के बारे में जानकारी दी। उन्होंने आपदा की स्थिति में सबसे पहले उठाये जाने वाले कदमों पर विस्तार से चर्चा की। पंवार ने राहत-बचाव में प्रयोग होने वाले उपकरणों चेयर हार्नेस, ड्रेगन लाइट, जुनार, वॉकी-टॉकी, सैटेलाइट फोन और रेप का उपयोग कर छात्रों को उनका व्यावहारिक प्रदर्शन दिखाया। साथ ही स्ट्रेचर की मदद से घायल को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने की विधि भी समझाई। कार्यक्रम में सरकार के भू-देव ऐप के उपयोग की जानकारी भी दी गई। गढ़वाल विवि के भूगर्भ विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एमपीएस. बिष्ट ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्रों को भूकंप, बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सतर्क रहने और राहत-बचाव कार्यों में प्रभावी भूमिका निभाने के लिए तैयार करना था।

धरातल पर नहीं उतरी योजनाएं, पहचान को तरस रहा कण्वाश्रम

राज्य गठन के 25 वर्ष बाद भी विकास की राह को तरस रहा कण्वाश्रम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राज्य गठन के 25 वर्ष बाद भी भावर क्षेत्र में स्थित कण्वाश्रम विकास की राह को तरस रहा है। लगातार घोषणाओं के बाद भी आज तक धरातल पर कार्य प्रारंभ नहीं हो पाया है। जबकि, क्षेत्रवासी लगातार कण्वाश्रम के विकास का मुद्दा उठाते रहते हैं। लोकसभा हो या विधानसभा हर चुनाव में नेता कण्वाश्रम के विकास का सपना दिखाते हैं।राजनैतिक मंचों से कई मर्तबा राष्ट्रीय धरोहर बनाने की घोषणा की गई, लेकिन दुर्भाग्य देखिए कि जिस कण्वाश्रम ने देश को नाम दिया। आज उसका नाम लेने वाला कोई नहीं। उत्तराखंड राज्य का गठन हुआ तो उम्मीद जगी कि कण्वाश्रम को पहचान मिलेगी, लेकिन कण्वाश्रम राष्ट्रीय धरोहर बनना तो दूर, उत्तराखंड में ही उपेक्षित पड़ा है। कण्वाश्रम एक समय में अध्यात्म, ज्ञान-विज्ञान का विश्वविख्यात केंद्र था। जिसमें संपूर्ण विश्व के दस सहस्त्र विद्यार्थी कुलपति कण्व से शिक्षा ग्रहण करते थे। महर्षि कण्व, विश्वामित्र, दुर्वासा आदि की तपोस्थली के साथ ही यह स्थान मेनका-विश्वामित्र और शकुंतला व राजा दुष्यंत की प्रणय स्थली भी रहा है। यही वही स्थान है, जहां शकुंतला-दुष्यंत के तेजस्वी पुत्र भरत ने जन्म लिया। वहीं भरत जिनके नाम से देश का नाम भारत पड़ा। प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने वर्ष 1955 में रूस यात्रा की थी। उस दौरान रूसी कलाकारों ने महाकवि कालिदास रचित ह्यअभिज्ञान शाकुंतलमह्न की नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। एक रूसी दर्शक ने पं. नेहरू से कण्वाश्रम के बारे में जानना चाहा, लेकिन उन्हें जानकारी न थी। वापस लौटते ही पं. नेहरू ने उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. संपूर्णानंद को कण्वाश्रम की खोज का दायित्व सौंप दिया। 1956 में प्रधानमंत्री पं. नेहरू व उप्र के मुख्यमंत्री डॉ. संपूर्णानंद के निर्देश पर तत्कालीन वन मंत्री जगमोहन सिंह नेगी कोटद्वार पहुंचे व कण्वाश्रम (चौकीघाटा) के निकट एक स्मारक का शिलान्यास किया, जो आज भी मौजूद है। मालिनी नदी के तट पर स्थित कण्वाश्रम के गौरवमयी इतिहास से देश ही नहीं, सूबे की सरकार भी शायद अनजान लगती है। ऐसा न होता तो आजादी के 78 साल बाद भी कण्वाश्रम गुमनामी के अंधेरे में न डूबा होता। राज्य गठन के बाद कण्वाश्रम को राष्ट्रीय स्मारक के रूप में विकसित करने की घोषणाएं कई राजनैतिक मंचों से हुई। लेकिन, आज तक किसी घोषणा को अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका। कण्वाश्रम के विकास की योजनाएं मात्र शिलान्यास तक ही सिमटी रखेंगी अथवा कण्वाश्रम को नई पहचान मिल पाएगी।

कण्वाश्रम जो आज भी अपनी पहचान को तरस रहा है।

केवल विकास के दावें

सम्राट भरत की जन्मस्थली कण्वाश्रम को राष्ट्रीय फलक पर लाने के लिए उत्तराखंड के सत्तासीनों ने भले ही तमाम दावे किए हो। लेकिन, कण्वाश्रम आज भी गुमनामी का दंश झेल रहा है। सरकार भले ही इस पावन स्थल की ओर से पूरी तरह निष्क्रिय हो। लेकिन, प्रकृति लगातार यह संकेत दे रही है कि इस पावन स्थल के गर्भ में एक समृद्ध सभ्यता का इतिहास दफन है।

अस्सी के दशक में कण्वाश्रम क्षेत्र में बरसाती नाला ने भयंकर तबाही मचाई और जब नाले का प्रकोप शांत हुआ तो क्षेत्र में कई पुरानी मूर्तियां व स्तंभ मिले। इससे पहले कि प्रशासन को इस बात की भनक लगती, ग्रामीण कई मूर्तियों व स्तंभों को साथ लेकर चलते बने। बाद में प्रशासन ने मौके से मिली कुछ मूर्तियों व स्तंभों को कण्वाश्रम स्थित स्मारक में रख दिया। बताना जरूरी है पुरातत्व विभाग ने कण्वाश्रम में मिली मूर्तियों व स्तंभों को कत्यूरी काल का बताया है।

कण्वाश्रम को विश्व पटल पर पहचान दिलवाने के लिए नेताओं ने बड़ी-बड़ी घोषणाएं की। लेकिन, आज तक यह घोषणाएं धरातल पर रंग नहीं ला पाई। नतीजा, आज भी कण्वाश्रम विकास की राह को तरस रहा है। कुछ वर्ष पूर्व कण्वाश्रम में झील व स्मारक बनाने की कही गई। लेकिन, यह बात भी केवल हवाई साबित हुई। यदि कण्वाश्रम का बेहतर विकास होता है तो इससे क्षेत्र को नई पहचान मिलेगी। साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए स्वरोजगार के भी द्वार खुलेंगे।

पुण्यतिथि पर जनरल विपिन रावत को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : प्रथम सीडीएस जनरल विपिन रावत की प्रथम पुण्यतिथि पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने उनके योगदान को याद किया। कहा कि देश हित में दिए गए जनरल विपिन रावत के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

सोमवार को पूर्व सैनिक लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस के समीप स्व. विपिन रावत स्मृति पुस्तकालय में एकत्र हुए। जहां पर उन्होंने स्व. विपिन रावत के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कहा कि जनरल विपिन रावत को देश के प्रथम सीडीएस बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

उन्होंने सेवा में रहते हुए देश की सेना को आधुनिक बनाने के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। लेकिन, अचानक वे एक हवाई दुर्घटना में वीरगति को प्राप्त हो गए। संगठन के संरक्षक गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल ने पूर्व सैनिकों से शादी ब्याह में शराब न परोसे जाने का आग्रह किया। कहा कि पूर्व सैनिकों को इस प्रकार की व्यवस्था को सुधारना होगा, जिससे समाज में अच्छा संदेश जाए। मीडिया प्रभारी बलवान सिंह रावत ने कहा कि विपिन रावत के कार्यों व ऐतिहासिक निर्णयों से देश के लोगों को प्रेरणा लेनी चाहिए। इस मौके पर कुलदीप रावत, सीपी डोबरियाल, हंसवत सिंह बिष्ट, कुबेर जलाल, उम्मेद सिंह नेगी, जीएम धस्माना, सुरेंद्र बिजल्वाण, कमल नेगी, जितेंद्र नेगी, प्रमोद केष्टवाल मौजूद रहे।

जनरल विपिन रावत की पुण्यतिथि पर आयोजित गोष्ठी में विचार रखते पूर्व सैनिक

मौसम यापन यंत्र बनाने का दिया प्रशिक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रखंड नैनीडांडा के अंतर्गत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग व इसरो के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में मौसम यापन यंत्र बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। राजकीय इंटर कालेज धुमाकोट में आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ प्रधानाचार्य आंनद सिंह बिष्ट ने किया। उन्होंने इसरो भुवन एप का प्रयोग करने की भी जानकारी दी। तत्पश्चात विषय विशेषज्ञ सचिन शर्मा ने छात्र-छात्रों को डिजिटल मौसम मापन यंत्र बनाना सिखाया। छात्रों को इसरो भुवन एप का प्रयोग करने की जानकारी साझा की। कहा कि प्रत्येक विद्यालय को डिजिटल उपकरण प्रदान किए जाएंगे, जिसमें बच्चे अगले एक वर्ष तक मौसम संबंधी जानकारियों का मापन कर आंकड़ों को इसरो के साथ साझा करेंगें। कहा कि इस यंत्र के माध्यम से बच्चे भूमि उपयोग, वनस्पति परिवर्तन, जलस्त्रोतों की निगरानी, जलवायु और भौगौलिक जोखिमों का विश्लेषण, आधारभूत जीआईए तकनीक का उपयोग, उपग्रह डेटा की तुलना स्थल स्तर के मापों से कर सकेंगे।

धरातल पर नही दिखा विकास

लोकनृत्य प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय गाजा ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रखंड रिखणीखाल के अंतर्गत संकुल ढौंटियाल में सपनों की उड़ान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान लोकनृत्य सहित विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। लोकनृत्य में प्राथमिक विद्यालय गाजा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में संकुल के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक, उच्च प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों व अभिभावकों ने प्रतिभाग किया। लोकनृत्य प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय गाजा प्रथम रहा। कुर्सी दौड़ में राजकीय प्राथमिक विद्यालय कोटड़ी प्रथम रहा। प्रदर्शनी व स्टाल में राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटड़ीसैंण प्रथम स्थान पर रहा। राजकीय प्राथमिक विद्यालय कोटड़ी को सर्वश्रेष्ठ एसएमसी घोषित किया गया। लोकगायन में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय गाजा प्रथम, रैंप वाक में राजकीय प्राथमिक विद्यालय गाजा प्रथम, नुक्कड़ नाटक में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय गाजा प्रथम रहे। इस मौके पर विष्णु पाल नेगी, राजेश रावत, प्यारे लाल शाह, वंदना राय, दिलबर शाह, अब्दुल कयूम, नरेश राठी, अनीता देवी, दीपा देवी, योगेंद्र, शमशेर जंग, ललित बिष्ट, प्रीति देवी, बबीता देवी, मनोज घिल्डियाल, डा. अंबिका प्रसाद ध्यानी मौजूद रहे।

मोटर नगर के गड्ढे का भरान कर बनाई जाएं पार्किंग

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : दशकों बाद भी मोटर नगर गड्ढे में निर्माण कार्य प्रारंभ नही होने पर क्षेत्रीय लोगो ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि उक्त गड्ढे को भरकर पार्किंग स्थल बनाया जाना चाहिए। इससे क्षेत्रीय लोगों को काफी सुविधा मिलेगी किसान नेता पातीराम ध्यानी की ओर से जिलाधिकारी को भेजे पत्र में कहा कि पूर्व में मोटर नगर से वाहन संचालित होते थे, जिस कारण सड़कों पर जाम नही लगता था। लेकिन, पिछले करीब सवा दशक से मोटर नगर में बस अड्डे के नाम पर एक गड्ढा कर दिया गया है। इधर, तमाम वाहनों का संचालन शहर की सड़कों से हो रहा है, जिससे शहर में हर वक्त जाम की स्थिति बनी रहती है।

ग्रामीणों ने अफसरों का किया घेराव, प्राइवेट शूटरों की तैनाती की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सोमवार को प्रमुख सचिव वन, प्रमुख वन संरक्षक (हॉफ) एवं मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक, कमिश्नर गढ़वाल, सीसीएफ, सीएफ और डीएम पौड़ी गुलदार प्रभावित गांव गजल्ड पहुंचे। अफसरों के काफिले को ग्रामीणों ने वापस आते हुए सत्याखाल के पास रोककर घेरा और विरोध में नारेबाजी कर आक्रोश जताया। इस दौरान आक्रोशित ग्रामीणों का कहना था कि वन विभाग के अफसर बिना बताएं और खानापूर्ति कर वापस जा रहे हैं। कहा कि घटना के चार दिन बीतने के बाद भी गुलदार को न तो पकड़ पाए और न ही मार पाए हैं। जिससे गांवों में गुलदार की दहशत बनी हुई है। आए दिन प्रभावित गांव के साथ ही आसपास के गांवों में लगातार गुलदार दिखाई दे रहा है। जिससे ग्रामीण दहशत में रह रहे हैं। सोमवार को प्रमुख सचिव वन आरके सुधांशु, फॉरेस्ट हाफ रंजन कुमार मिश्र, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय , सीसीएफ डॉ. धीरज पांडे सहित सीएफ आकाश वर्मा और डीएम पौड़ी स्वाति भदौरिया ने पौड़ी के गजल्ड गांव में बीते गुरुवार को गुलदार के हमले में मारे गए राजेंद्र प्रसाद नौटियाल के परिजनों से मुलाकात की। अफसरों ने परिवार को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। परिजनों से मुलाकात के बाद पौड़ी लौटते समय आक्रोशित ग्रामीणों ने सत्याखाल के पास अफसरों का काफिला रोककर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने करीब आधे घंटे तक अफसरों को रोके रखा। ग्रामीणों ने प्राइवेट शूटरों की तैनाती करने की मांग उठाते हुए शाम तक गुलदार को शूट करने जैसी मांग भी रखी। इस मौके पर विनोद दनोशी, भाष्कर बहुगुणा, शांकबरी देवी, सीमा, सुरेंद्र, गुड्डी देवी, यशोदा, सरस्वती देवी, भागवंती, शैलेंद्र नौटियाल, आशुतोष नेगी, अस्मिता नेगी, सरस्वती देवी, यशपाल बेनाम आदि मौजूद रहे।

घास लेने गई महिला पर जंगली सूअर का हमला, घायल

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिले में जंगली जानवरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुलदार, भालू के बाद अब जंगली सुअर की भी दहशत बनी हुई है। पाबौ ब्लॉक के सन्यू गांव में खेत में घास काट रही महिला पर जंगली सुअर ने हमला कर घायल कर दिया। महिला के शोर मचाने पर समीप ही बकरियां चुगा रहे ग्रामीण के मौके पर पहुंचने पर सुअर भाग गया। घायल महिला का उपचार जिला अस्पताल पौड़ी में चल रहा है।

पाबौ के ग्राम सन्यू की ग्राम प्रधान अनीता देवी ने बताया कि गांव की 52 वर्षीय रोशनी देवी गांव के समीप खेत में घास काट रही थी। इसी दौरान अचानक उन पर जंगली सुअर ने हमला कर दिया। उनके शोर मचाने पर कुछ खेत ऊपर अपनी बकरियां चुगा रहे एक ग्रामीण ने जंगली सुअर को भगाया। इसके बाद ग्रामीणों ने हादसे में घायल रोशनी देवी को उपचार के लिए सीएचसी पाबौ में भर्ती कराया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाबौ के प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. पंकज सिंह ने बताया कि जंगली सुअर के हमले में घायल सन्यू गांव निवासी रोशनी देवी के बाएं जांघ पर सुअर के दांत के गहरे निशान हो गए हैं। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है।

मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति के लिए विद्यार्थियों का हुआ चयन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालय बालक के छह विद्यार्थियों का चयन मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति के लिए हुआ है। बच्चों की इस सफलता पर शिक्षकों व अभिभावकों ने खुशी व्यक्त की है।

प्रधानाध्यापक नफीस अहमद ने बताया कि विद्यार्थियों के बेहतर विकास के लिए शिक्षक पूरी गंभीरता से कार्य कर रहे हैं। बताया कि विद्यालय में कक्षा छह में पढ़ने वाले छात्र असद अहमद, मो. अरबाज, अबुजर, आदर्श, वंश व आदित्य का चयन मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति के लिए हुआ है। बताया कि विद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। साथ ही अन्य विद्यार्थियों को भी जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर शिक्षक हुकुम सिंह, नमिता बुड़ाकोटी, ललिता रावत, डा. सुधा रावत, अनिल रावत आदि मौजूद रहे।

आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्मानित करते शिक्षक

मेला संपन्न होने के बाद मंदिर में चलाया स्वच्छता अभियान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : ग्रीन आर्मी देवभूमि व विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने सोमवार को श्री सिद्धबली मंदिर में स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान के दौरान आमजन को भी स्वच्छता का संदेश दिया गया। तीन दिवसीय श्री सिद्धबली मेला संपन्न होने के बाद ग्रीन आर्मी देवभूमि ने स्थानीय शिक्षण संस्थान आरसीडी पब्लिक स्कूल, रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज सहित अन्य विद्यालयों के साथ मिलकर अभियान चलाया। अभियान का उद्देश्य मेले के दौरान फैली गंदगी को एक जगह एकत्रित कर उसे नष्ट करना था। सदस्यों ने कहा कि अपनी धरोहर को स्वच्छ व सुंदर बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। इसके लिए हम सभी को गंभीरता से कार्य करना चाहिए। बताया कि अभियान के दौरान सिद्धों के डांडा से लेकर मेला मैदान तक सफाई की गई। साथ ही मंदिर को जाने वाले मार्ग पर फैली गंदगी को भी साफ किया गया। अभियान के दौरान आमजन से भी सफाई में सहयोग की अपील की गई। बताया कि अभियान के दौरान नवदुर्गा मंदिर व फलाहारी बाबा मंदिर में भी सफाई अभियान चला। इस मौके पर प्रणिता कंडवाल, रुचि नेगी, हिमांशु रावत, सुशांत कोहली, सतेंद्र सिंह गुसाईं, ज्योति सजवान, अंकित थपलियाल, अभय जुयाल आदि मौजूद रहे।

श्री सिद्धबली मंदिर में स्वच्छता के बाद एकत्रित कूड़े के साथ विद्यार्थी

भालू के हमले में व्यक्ति घायल

चमोली : चमोली जिले की निजमूला घाटी में भालुओं का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार शाम दुर्मी गांव के मकी तोक क्षेत्र में झाड़ियों में छिपे भालू ने गोंणा गांव के गोपाल लाल पर हमला कर दिया। घटना उस समय हुई जब वह बकरियों को चुगाकर घर लौट रहे थे। हमले में घायल गोपाल लाल को ग्रामीणों ने तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। गोंणा गांव के सुरेंद्र लाल ने बताया कि पिछले कुछ समय से घाटी के गाड़ी, सैंजी, निजमूला, पाणा, गोंणा, ईराणी, झींझी, दुर्मी और पगना सहित सभी गांवों में भालुओं की दहशत बनी हुई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से तुरंत प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि हिंसक भालुओं को नियंत्रित नहीं किया गया तो क्षेत्र के लोग बड़े आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। (एजेंसी)

नृसिंह मंदिर में पूजा-अर्चना को पहुंच रहे श्रद्धालु

चमोली : बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने के बाद जोशीमठ स्थित नृसिंह मंदिर में शीतकालीन पूजाओं का आयोजन शुरू हो गया है और भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में चारों धामों की शीतकालीन यात्रा का शुभारंभ हो चुका है और श्रद्धालुओं के सुविधा एवं प्रबंधन को सुदृढ़ करने का काम तेजी से चल रहा है। सती ने कहा कि नृसिंह मंदिर एवं संपूर्ण परिसर में स्वच्छता और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया है, ताकि दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। मंदिर परिसर में आदि शंकराचार्य की पौराणिक कोठ गद्दी स्थल का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है और इसे ध्यान केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इससे श्रद्धालु शीतकालीन पूजा में आकर गद्दी स्थल पर ध्यान कर सकेंगे। (एजेंसी)

पांडवों का अस्त्र-शस्त्र के साथ नृत्य शुरू

रुद्रप्रयाग : मुख्यालय स्थित पुनाड़ पांडव चौक में पांडवों ने अस्त्र-शस्त्र के साथ नृत्य शुरू कर दिया गया है। सोमवार को प्राचीन पुंडेश्वर मंदिर से अस्त्र शस्त्रों को पांडव चौक लाया गया जिसके बाद पूजा अर्चना के साथ पांडवों का अस्त्र-शस्त्रों के साथ नृत्य शुरू हो गया। ब्राह्मणों द्वारा सुबह पांडव चौक विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की गई। इस मौके पर कई देवी देवता अवतरित हुए। जबकि भीमसेन और अन्य देव पश्वा पुंडेश्वर मंदिर पहुंचे और यहां से पांडवों के बाण लेकर पांडव चौक पहुंचे। इसके बाद मंदिर के अंदर अस्त्र शस्त्रों का विधिवत पूजन किया गया। बाद में स्थानीय देवी देवताओं के अवतरण के साथ पांडवों पश्वाओं ने अस्त्र-शस्त्रों के साथ नृत्य किया। बड़ी संख्या में पहुंचे भक्तों को आशीर्वाद दिया। इस दौरान हनुमान के अवतरण के साथ ही कई आकर्षक दृश्य भी देखने को मिले। अंत में भगवान कृष्ण द्वारा भक्तों को आशीष देने का दृश्य दिखाया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में अनेक स्थानों से भक्त पांडव लीला देखने पहुंचे। पांडव नृत्य एवं शिव समिति पुनाड़ के सहयोग से पुनाड़ पांडव चौक में पांडव लीला का भव्य मंचन हो रहा है। प्रतिदिन पूजन अर्चन के बाद नृत्य किया जा रहा है। पांडव नृत्य एवं शिव समिति के अध्यक्ष प्रकाश भारती एवं सचिव सुनील नौटियाल ने बताया कि पांडव नृत्य में सोमवार को (बाण पूजा) अस्त्र-शस्त्र प्रदर्शन किया गया। 15 दिसम्बर को महादेव पूजन, 20 को गैंडा कौथिग, 21 को गंगा स्नान, 22 को हाथी कौथिग, 23 दिसम्बर को मौरु डाली कौथिग के साथ पांडव नृत्य का समापन किया जाएगा।

चमोली जिले में कम नहीं हो रहा भालू का आतंक

चमोली : चमोली जिले के पोखरी ब्लॉक के देवर गांव में रविवार की रात भालू ने गोशाला में घुसकर एक दुधारु गाय को मार डाला और दूसरी गाय को घायल कर दिया।

ग्रामीणों का कहना है कि भालुओं का आतंक क्षेत्र में कम होने का नाम नहीं ले रहा है और लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। देवर गांव निवासी आशीष कुमार ने बताया कि भालू ने उनकी दुधारु गाय को घसीटते हुए गोशाला से लगभग 300 मीटर दूर कबरी गदेरे में झाड़ियों के बीच ले गया, जहां गाय मृत मिली। जबकि दूसरी गाय घायल है। वन क्षेत्राधिकारी नवल किशोर नेगी ने बताया कि सूचना मिलते ही वन आरक्षी दिनेश सिंह समेत अन्य कर्मियों को मौके पर भेजा गया।

विभाग बेहतर समन्वय और लक्ष्य आधारित कार्यशैली अपनाएं : प्रमुख सचिव

प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु का पौड़ी दौरा, मुख्यमंत्री घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : प्रमुख सचिव वन आर.के. सुधांशु ने विकास भवन सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री घोषणाएं जनहित से सीधे जुड़ी होती हैं, इसलिए इनके लंबित मामलों का समयबद्ध निस्तारण किया जाना आवश्यक है। उन्होंने विभागों के बीच बेहतर समन्वय और लक्ष्य आधारित कार्यशैली अपनाने पर बल दिया।

प्रमुख सचिव ने यमकेश्वर क्षेत्र में जुलेड़ी-ढोंसण एवं धारकोट के मध्य 14 किमी. मोटर मार्ग मिलान कार्य, पौड़ी मुख्य बाजार की हेरिटेज स्ट्रीट से जुड़े कार्य, दुगड्डा क्षेत्र में भवानी सिंह रावत शहीद स्मृति स्थल के संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण जैसे प्रमुख विषयों पर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, युवा कल्याण, सिंचाई, पेयजल और उच्च शिक्षा विभाग की घोषणाओं पर प्रगति तेज करने को कहा। प्रमुख सचिव ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा लगातार की जा रही मॉनिटरिंग से प्रगति सकारात्मक है और जहां भी आवश्यक होगा, सुधारात्मक कदम तुरंत उठाए जाएंगे। प्रमुख सचिव ने विभागीय स्तर पर लंबित मामलों की प्रगति को और बेहतर करने की आवश्यकता जतायी। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने आश्वस्त किया कि प्रमुख सचिव द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन प्राथमिकता से किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मुख्यमंत्री घोषणाओं से जुड़े सभी लंबित प्रकरणों को जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ समय पर निस्तारित किया जाय। कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों के प्रति जिला प्रशासन पूर्ण समर्पित है और पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। बैठक में आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पाण्डेय, मुख्य वन संरक्षक धीरज पांडे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार, अपर जिलाधिकारी अनिल गर्ब्याल, नगर आयुक्त कोटद्वार पी.एल. शाह, संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

राकजूहा चोपता ने फिर लहराया परचम

चमोली : राजकीय कन्या जूनियर हाईस्कूल चोपता के मेधावी छात्र-छात्राओं ने एक बार फिर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यालय की छात्रा वृत्तिसा ने इस वर्ष की मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति परीक्षा मेरिट सूची में द्वितीय स्थान प्राप्त कर शानदार प्रदर्शन किया है। प्रधानाचार्य महिपाल सिंह मेहरा ने बताया कि इस बार मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति परीक्षा में विद्यालय के कुल तीन छात्रों आदित्य रावत, ईशांत रावत और कुमारी मनीषा का चयन हुआ है, जबकि वृत्तिसा ने इस वर्ष की मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति परीक्षा मेरिट सूची में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि विगत वर्षों में भी उनके विद्यालय का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है जिसमें पिछले वर्ष पांच बच्चों का चयन हुआ था, जबकि वर्ष 2023 में दो छात्रों ने मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति परीक्षा में सफलता प्राप्त की थी। उन्होंने बताया कि उनके विद्यालय के छात्र लगातार विभिन्न परीक्षाओं से श्रीदेव सुमन राष्ट्रीय हिन्दी परीक्षा तथा डा. शिवानन्द नौटियाल राष्ट्रीय छात्रवृत्ति परीक्षण में भी प्रतिवर्ष छात्रों ने सफलता हासिल की है। विद्यालय प्रबंधक समिति के अध्यक्ष मुकेश सागर सहित क्षेत्र के ग्राम चोपता, रैस, तुनेडा आदि के ग्रामीणों ने विद्यालय की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने विद्यालय के अध्यापकों महिपाल सिंह मेहरा, लखपत रावत और आनन्द सिंह सिनवाल के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षकों की मेहनत और छात्रों की लगन से ही यह सफलता संभव हुई है। (एजेंसी)

कांसुवा गांव में मांगलिक कार्यक्रमों में नहीं परोसी जाएगी शराब

चमोली : आदिबदरी तहसील के कांसुवा गांव में अब मांगलिक और धार्मिक कार्यक्रमों में शराब परोसने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह निर्णय ममं दल की मासिक बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए ममं दल की अध्यक्ष पल्लवी देवी ने बताया कि गांव में विवाह, मुंडन, जन्मदिन समारोह और अन्य धार्मिक आयोजनों के दौरान शराब परोसने पर अब पूरी तरह रोक रहेगी। निर्णय के अनुसार यदि कोई व्यक्ति नियम का उल्लंघन करता पाया गया तो उस पर 5100 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा, साथ ही सामाजिक आयोजनों में परिवार का बहिष्कार करने का भी प्रावधान रखा गया है। ग्राम प्रधान मुन्ना लाल ने ममं दल की इस पहल का स्वागत किया है। वहीं क्षेपंस कांसुवा भूपेंद्र कुंवर ने कहा कि उनके परिवार में अगले माह होने वाले मांगलिक आयोजन में वे इस नियम का पूरी तरह पालन करेंगे। (एजेंसी)

हाईवे पर अव्यवस्थित पार्किंग से जनजीवन प्रभावित

रुद्रप्रयाग : रुद्रप्रयाग नगर में राष्ट्रीय राजमार्ग पर अनियोजित तरीके से खड़े हो रहे वाहनों ने आम जनजीवन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। मुख्य बाजार क्षेत्र से लेकर बस स्टेशन तक सड़क किनारे कब्जा जमाए वाहनों के कारण पैदल चलने वालों को लगातार परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाईवे पर अव्यवस्थित पार्किंग के चलते सड़क का बड़ा हिस्सा बाधित रहता है, जिससे ट्रैफिक जाम की स्थिति आम हो गई है। पैदल यात्रियों को तेज रफ्तार वाहनों के बीच से गुजरना पड़ता है, जो दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ा रहा है। व्यापारियों ने भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि गलत तरीके से खड़े वाहनों के कारण ग्राहकों को बाजार तक पहुंचने में दिक्कत होती है, जिससे व्यापार पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। इधर, नगरवासियों ने प्रशासन से हाईवे पर पार्किंग व्यवस्था को दुरुस्त करने, नो-पार्किंग क्षेत्र को सख्ती से लागू करने और यातायात पुलिस की तैनाती बढ़ाने की मांग उठाई है, ताकि आवागमन सुचारु हो सके। प्रशासन ने भी समस्या पर गंभीरता दिखाते हुए शीघ्र प्रभावी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। (एजेंसी)

अज्ञात के खिलाफ दर्ज कराई तहरीर

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के कुलपति की फोटो लगाकर अज्ञात व्यक्ति द्वारा मैसेज किए जाने पर विवि प्रशासन ने कोतवाली में तहरीर दी है। कोतवाली श्रीनगर में दी तहरीर में गढ़वाल विवि के कुलसचिव प्रो. राकेश कुमार ढोड़ी ने कहा कि गढ़वाल विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह की फोटो लगाकर अज्ञात व्यक्ति द्वारा मोबाइल से वाट्सऐप मैसेज भेजकर उनकी छवि को निरन्तर धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। जो कि अति संवेदनशील है।

शिविर में लोगों को बताएं अधिकार, योजनाओं की दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी गढ़वाल द्वारा रविवार को विकासखंड कल्जीखाल में बहुउद्देशीय शिविर आयोजन का किया गया। शिविर में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों के अधिकारों को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई। इसके अलावा स्टॉल लगाकर केंद्र व राज्य सरकारों की ओर से आमजन के लिए चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया गया।

शिविर में मुख्य अतिथि सीजेएम शहजाद ए वाहिद ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पोस्को के अंतर्गत महिलाओं के लिए निःशुल्क कानूनी सहायता एवं उनके अधिकारों की विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दुराचार के मामलों में पीड़ितों को न्याय की पैरवी कर मुआवजा देने का प्राविधान है। सीनियर सिविल जज अमित भट्ट ने बताया कि अनुछेद 39 (अ) के तहत कोई भी गरीब जरूरतमंद व्यक्ति धन के अभाव में न्याय से वांछित न रहे जाए उसकी निःशुल्क विधिक पैरवी राज्य स्तर पर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला स्तर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और तहसील स्तर पर तालुका तहसील विधिक सेवा समिति अधिवक्ता उपलब्ध कराती है। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिविल जज नाजिश कलीम ने जनता को केंद्र, राज्य एवं जिला स्तर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्य क्षेत्र के बारे में सविस्तार से जानकारी दी। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। उन्होंने लोगों से विधिक प्राधिकरणों का लाभ उठाने को कहा। इस मौके पर चीफ लीगल एंड डिफेंस काउंसेल कमल बमराड़ा, डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउंसेल महेश बलूनी, रिटेनर अधिवक्ता कुसुम नेगी, वन स्टॉप सेंटर की अधिवक्ता अमृता रावत, प्रमुख कल्जीखाल गीता देवी, ज्येष्ठ प्रमुख संजय पटवाल, जिला पंचायत सदस्य सविता देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य संजय डबराल, परिवहन कर अधिकारी विजय आर्य, खंड विकास अधिकारी चंद्र प्रकाश बलूनी, सहायक समाज कल्याण अधिकारी राहुल राणा, पीएलवी जगमोहन डांगी, सज्जन सिंह नेगी, भगवती प्रसाद, बबीता देवी, मनीष खुगशाल आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट लीगल एंड डिफेंस काउंसेल विनोद कुमार ने किया।

बाल विवाह और नशे के प्रति किया जागरूक

विकासखंड सभागार में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में इंटर कॉलेज कल्जीखाल और कांसखेत के छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना, स्वागत गीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कांसखेत के छात्र-छात्राओं ने बाल विवाह और नशे के प्रति जागरूक करने के लिए नाटक का भी मंचन किया। मुख्य अतिथि सीजेएम शहजाद ए वाहिद ने छात्र-छात्राओं को बेहतरीन प्रस्तुति देने पर प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया

शिविर में 30 शिकायतें दर्ज

बहुउद्देशीय शिविर में ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों की 30 शिकायतें प्राप्त हुई। इस दौरान 04 दिव्यांग प्रमाण पत्र और 09 दिव्यांगों को उपकरण वितरित किए गए। वही महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग द्वारा किमोली आंगनबाड़ी केंद्र अंतर्गत श्रीमती स्वाति को महालक्ष्मी कीट वितरित की गई। वही कल्जीखाल ब्लॉक के विभिन्न ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों को मुकदमा मुक्त गांव प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

बोर्ड परीक्षा सिर पर भौतिक विज्ञान के छात्रों की चिंता बढ़ी

नई टिहरी। फरवरी में बोर्ड परीक्षा की तिथि नजदीक आते देख ठेला इंटर कॉलेज में पढ़ रहे 12वीं विज्ञान वर्ग के छात्रों की टेंशन भी बढ़ने लगी है। कॉलेज में कार्यरत भौतिक विज्ञान के प्रवक्ता स्वास्थ्य खराब होने के कारण फरवरी 2024 से कॉलेज में नहीं है जिससे वह पद भी रिक्त नहीं माना गया है।

इस कारण अतिथि शिक्षक की नियुक्ति भी नहीं हो पाई। अब बोर्ड परीक्षा के लिए कुल दो माह का ही समय बचा है। इस स्थिति में छात्रों के सामने पाठ्यक्रम पूरा करने की चुनौती बनी हुई है। भिलंगना ब्लॉक के नैलचामी क्षेत्र में स्थित कारगिल शहीद दलवीर सिंह राणा राजकीय इंटर कॉलेज में प्रवक्ता के तीन पद रिक्त चल रहे हैं। जीव विज्ञान और अर्थशास्त्र के प्रवक्ता के पद तो मार्च 2025 से रिक्त है लेकिन भौतिक विज्ञान में कार्यरत प्रवक्ता का स्वास्थ्य खराब होने के कारण वह जनवरी 2021 से अप्रैल 2023 तक और उसके बाद फरवरी 2024 से अभी तक अनुपस्थित चल रहे हैं। पीटीए अध्यक्ष यशवंत सिंह गुसाईं ने बताया कि कॉलेज में रसायन विज्ञान और हिंदी में तो गेस्ट टीचर हैं लेकिन भौतिक विज्ञान का पद रिक्त नहीं माना गया है। इससे वहां गेस्ट टीचर की नियुक्ति नहीं हो पाई। विभागीय अधिकारियों को अवगत कराने के बाद भी समस्या हल नहीं हो पाई। अब बोर्ड परीक्षा सर पर है लेकिन अभी तक पाठ्यक्रम पूरा नहीं होने से छात्र-छात्राएं खासे चिंतित हैं। उन्होंने बोर्ड परीक्षा को देखते हुए कुछ दिन प्रवक्ता की व्यवस्था करानें की मांग की है।

भौतिक विज्ञान के प्रवक्ता अस्वस्थ होने के कारण कॉलेज नहीं आ रहे हैं। वर्चुअल और यूट्यूब से पढ़ा कर पाठ्यक्रम पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है।

एमडी ने किया भूमिगत केबल कार्य का औचक निरीक्षण

देहरादून। उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक अनिल कुमार ने सोमवार को सहस्त्रधारा रोड में एशियन डेवलमेंट बैंक–एडीबी वित्त पोषित भूमिगत बिजली लाइन के कार्य का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को केबलिंग कार्य की गुणवत्ता का ख्याल रखने और समयबद्ध तरीके से काम पूरा करने के निर्देश दिए। एमडी ने सहस्त्रधारा रोड स्थित कृषाली चौक पर चल रहे कार्य को देखने के बाद भूमिगत केबल नेटवर्क, ट्रेंचिंग एवं डक्टिंग संरचना, आरएमयू स्थापना, गुणवत्ता, सुरक्षा प्रक्रिया, सड़क कटान की स्थिति को देखा। उन्होंने अधिकारियों को कार्य निर्धारित बीआईएस तकनीकी मानक और सुरक्षा प्रोटोकॉल के साथ समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना शहर की दीर्घकालिक विद्युत विश्वनीयता और भविष्य की स्मार्ट ग्रिड क्षमताओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इस परियोजना के शुरु होने पर फॉल्ट, ट्रिपिंग, लाइन ब्रेकडाउन की घटनाएं कम होगी। बिजली नेटवर्क अधिक व्यवस्थित और अधिक सुरक्षित बनेगा। एमडी ने कहा कि यह परियोजना बिजली सप्लाई सिस्टम को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुरक्षा, विश्वसनीयता प्रदान करेगी। इसलिए कार्य में कोई भी लापरवाही स्वीकार नहीं होगी। निरीक्षण के दौरान निदेशक परिचालन, मुख्य अभियंता गढ़वाल जोन, सम्बंधित डिवीजन अधिकारी भी मौजूद रहे। यहां चल रहे भूमिगत केबलिंग के कार्य परियोजना के तहत दून के सभी प्रमुख मार्गों–राजपुर रोड, सहस्त्रधारा रोड, आईटी पार्क, कोरोनेशन अस्पताल, बसंत विहार–रिस्पना आदि क्षेत्र में बिजली लाइन नेटवर्क को भूमिगत किया जा रहा है।

डीएम ने जनता दर्शन कार्यक्रम में सुनी 56 शिकायत

नई टिहरी। जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल ने जनता दर्शन कार्यक्रम में 56 शिकायतों को सुना। उन्होंने पुनर्वास,लोक निर्माण, सिंचाई, राजस्व,विद्युत समेत अन्य विभागों से संबंधित अधिकांश शिकायतों का निराकरण किया। साथ ही अवशेष शिकायतों के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। डीएम ने सीएम हेल्पलाइन और जन समर्पण पोर्टल पर दर्ज लंबित शिकायतों की समीक्षा की। सोमवार को डीएम की अध्यक्षता में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में जाखणीधार के ग्राम गेंवली (देवल) निवासी धनीराम सेमवाल ने घर के ऊपर से विद्युत तार हटाने,विद्युत पोल शिफ्ट करने,देवप्रयाग के ग्राम चाका पिछवाड़ा निवासी विनीता देवी ने सिंचाई हेतु पानी,पॉली हाउस देने,गजा के विरेगी के दौलत राम कोठारी ने ओबरी–विरेगी का पुश्ता टूटने के कारण भवन को खतरे को देखते हुए सुरक्षात्मक कार्य करने,नकोट की फूलन देवी ने बरसात के कारण क्षतिग्रस्त मकान हुए भवन का प्रतिकर भुगतान करने समेत ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी समस्याएं बताई।

आज का युग ज्ञान और कौशल का युग : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने टॉपर छात्र-छात्राओं के दल को भारत दर्शन शैक्षिक भ्रमण पर रवाना किया

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा-2025 में हाईस्कूल परीक्षा के टॉपर 240 छात्र-छात्राओं के दल को भारत दर्शन शैक्षिक भ्रमण के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये प्रतिभान छात्र-छात्राएं इसरो, श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, प्रोफेसर यूआर राव उपग्रह केंद्र और विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र जैसे संस्थानों का दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का युग ज्ञान और कौशल का युग है। भारत दर्शन शैक्षिक भ्रमण पर जाने वाले छात्र-छात्राएं भविष्य में जिस भी क्षेत्र में

जाएंगे अपने ज्ञान और कौशल से वो भविष्य के हमारे वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर, उद्यमी, कलाकार और नीति निर्माता बनेंगे। मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वो अपने सपनों को हमेशा बड़ा रखें।

एससीईआरटी ननूरखेड़ा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत दर्शन शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम के जरिए प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को भारत की प्रगति, विज्ञान, तकनीक, इतिहास और संस्कृति को प्रत्यक्ष रूप से देखने समझने का अवसर मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं से अपील करते हुए कहा कि वो अपनी डायरी में यात्रा अनुभव लिखने के साथ उत्तराखंड में पहली बार हुए नवाचारों और उपलब्धियों को भी दर्ज करें। मुख्यमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि उत्तराखंड ने देश में पहली बार यूसीसी लागू कर अन्य राज्यों के लिए एक मॉडल प्रस्तुत किया है। इसी तरह राज्य में पहली बार सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शैक्षिक भ्रमण से लौटने बाद इस डायरी के आधार पर प्रत्येक जनपद से दो-दो छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया जाएगा। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, रायपुर विधायक उमेश शर्मा काऊ, सचिव रविनाथ रामन, अपर सचिव श्रीमती रंजना राजगुरु, शिक्षा महानिदेशक सुश्री दीप्ति सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मानव-वन्यजीव संघर्ष न्यूनीकरण के हर सम्भव प्रयास जारी : प्रमुख वन सचिव

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनपद में बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा उच्चाधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण एवं आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये गये हैं। इन्हीं निर्देशों के क्रम में प्रमुख वन सचिव आर.के. सुधांशु, प्रमुख वन संरक्षक तथा आयुक्त गढ़वाल मंडल विनय शंकर पांडेय ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ तहसील पौड़ी के गजल्ड गांव का दौरा किया। उन्होंने गुलदार के हमले में मृत राजेन्द्र नौटियाल के परिजनों से भेंटकर शोक संवेदना व्यक्त की। प्रमुख वन सचिव ने प्रभावित परिवार को सांत्वना दी और मुआवजे की अग्रिम राशि का चेक भेंट किया।

प्रमुख सचिव वन ने गजल्ड घटना को लेकर जिला प्रशासन एवं वन विभाग द्वारा की गई त्वरित कार्यवाही और ग्रामीणों के सहयोग की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि हर समस्या का समाधान सरकारी तंत्र और जनसहभागिता के संयुक्त तंत्र और आपसी सहयोग में निहित है। उन्होंने घटना स्थल का निरीक्षण कर आदमखोर गुलदार के निस्तारण के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लेने के उपरांत सत्यखाल गांव में स्थानीय निवासियों से मुलाकात कर उनकी वन्यजीव संबंधी शिकायतें सुनीं और उन्हें शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। इसके उपरांत उन्होंने विकास भवन सभागार में मानव वन्यजीव संघर्ष पर सभी प्रमुख विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में प्रमुख सचिव वन ने निर्देश दिए कि मानव-वन्यजीव संघर्ष न्यूनीकरण हेतु प्रत्येक रेंज स्तर पर नियमित रूप से प्रभागीय दिवस आयोजित किया जायेगा। जनपद क्षेत्र में झाड़ी कटान अभियान को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए प्रमुख वन सचिव ने लोक निर्माण विभाग, जिला पंचायत और नगर पालिका को संयुक्त रूप से कार्रवाई करने के निर्देश दिये। उन्होंने आश्वस्त किया कि यदि इस कार्य हेतु अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता होगी, तो उसे शासन स्तर से उपलब्ध कराया जायेगा। आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पाण्डेय ने कहा कि मानव-वन्यजीव संघर्ष एक संवेदनशील विषय है, जिसमें त्वरित कार्रवाई के साथ-साथ समुदाय का सतत सहयोग बेहद महत्वपूर्ण है। जिला प्रशासन, वन विभाग और स्थानीय जनसमुदाय मिलकर कार्य करें तो इस चुनौती को काफी हद तक कम किया जा सकता है। हमारी प्राथमिकता यही है कि जनजीवन सुरक्षित रहे और हर परिवार को समय पर आवश्यक सहायता एवं संरक्षण मिले। बैठक एवं क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान प्रमुख वन संरक्षक (हॉफ) रंजन कुमार मिश्र, जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार, मुख्य वन संरक्षक धीरज पांडे, वन संरक्षक आकाश वर्मा, डीएफओ गढ़वाल अभिमन्यु सिंह, डीएफओ लैंसडौन जीवन मोहन दगाड़े, डीएफओ कालागढ़ तरुण एस, अपर जिलाधिकारी अनिल गर्ब्याल, संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मिलावटी खुला चावल रखने पर 3 माह का कारावास व अर्थदंड

नई टिहरी। एक रेस्टोरेंट में मिलावटी खुला चावल रखने वाले संचालक को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मोहम्मद याकूब की अदालत ने 3 माह की जेल और 50 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड जमा न करने पर अभियुक्त को एक माह अतिरिक्त समय जेल में बिताना होगा। परिवादी व वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी शारदा शर्मा ने बताया कि 14 मई 2022 को वह रोजाना की तरह चेकिंग अभियान चला रही थी। इस दौरान ऋषिकेश–गंगोत्री हाईवे पर सेलुपानी के पास एक रेस्टोरेंट की चेकिंग के दौरान वहां खुला कच्चा चावल मिला। संदेह के आधार पर टीम ने इसका सैंपल जांच के लिए भेजा। जहां रुद्रपुर लैब में यह चावल मिलावटी और खाने के लिए असुरक्षित बताया गया। लेकिन रेस्टोरेंट संचालक ने इसके खिलाफ अपील की। जिसके लिए सैंपल कोलकाता लैब को भेजा गया। लेकिन यहां से भी यह चावल खाने के लिए मानकों के विपरीत व असुरक्षित पाया गया। जिसके बाद विभाग ने 6 अप्रैल 2023 को मामला कोर्ट में दर्ज कर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की। कोर्ट ने धारा–59 खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अपराध के विचरण के लिए अभियुक्त के खिलाफ नोटिस जारी किया। विभाग की ओर से एपीओ सीमा रानी ने पैरवी करते हुए दोनों प्रयोगशाला की रिपोर्ट, एक्ट के प्रावधान और कई गवाह प्रस्तुत करते हुए इसको खाद्य सुरक्षा मानक का खुला उल्लंघन बताया। कहा कि यह किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य से जुड़ा मामला है। ऐसे में अभियुक्त के खिलाफ कार्यवाही की जाए। बीते दिवस मामले में अंतिम बहस हुई।

नर्सिंग अभ्यर्थियों का मुख्यमंत्री आवास कूच, डॉ हरक सिंह ने दिया समर्थन

देहरादून। नर्सिंग एकता मंच ने नर्सिंग भर्ती वर्षवार के आधार पर कराने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री आवास कूच किया। हालांकि, पुलिस अधिकारियों ने उन्हें सालापुल के पास ही बैरिकेंडिंग लगाकर रोक दिया गया। इस दौरान पुलिस प्रशासन और नर्सिंग कर्मीयों के बीच झड़प हो गई। सोमवार को नर्सिंग एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष नवल पुंडीर के नेतृत्व में नर्सिंग अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री आवास कूच किया। अभ्यर्थी दिलाराम चौक पर एकत्रित होकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री आवास कूच किया। सालावाला पुल के पास पुलिस ने अभ्यर्थियों को रोककर गाड़ियों में बैठाना शुरू किया। इस दौरान पुलिस और अभ्यर्थियों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। इसमें कई नर्सिंग बेरोजगार चोटिल हो गए है। नर्सिंग बेरोजगारों ने आरोप लगाते हुए कहा है कि पुलिस ने उनके साथ अमानवया व्यवहार किया है। विनता ने बताया कि हम लोगों ने कोविड के दौरान भी काम किया है। हमें हर बार सरकार से आश्वासन दिया गया कि हमारे लिए काम किया जाएगा।

उसके बाद भी हमारी कोई सुनवाई नहीं हो सकी है। प्रदर्शन में अधिकतर लोगों ने कोविड के दौरान काम किया। इसके बाद भी आज हमारे साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है। नर्सिंग अभ्यर्थी सपना ने आरोप लगाते हुए बताया कि वह नर्सिंग बेरोजगारों के हित के लिए कूच में शामिल हुई थी। पुलिस ने उनपर हाथ उठाया है।

पेयजल संयोजन काटने का एकता मंच ने किया विरोध

नई टिहरी। नगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष सीमा कृषाली और एकता मंच के संयोजक आकाश कृषाली के नेतृत्व में महिलाओं ने डीएम नितिका खंडेलवाल से मुलाकात कर उन्हें पेयजल समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बांध विस्थापित नई टिहरी में जल संस्थान की ओर से पानी के कनेक्शन काटने की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की। बताया कि बांध विस्थापितों और प्रभावितों को हनुमंत राव कमेटी की सिफारिशों के अनुरूप निशुल्क पेयजल कनेक्शन उपलब्ध कराएं थे। प्रभावित अधिकांश परिवार निर्बल और निम्न मध्यम वर्गीय है। ऐसे में उन्हें हनुमंत राव कमेटी के सिफारिशों के आधार पर जलकर माफी की सुविधा मिलनी चाहिए लेकिन जल संस्थान प्रभावित परिवारों के पानी के कनेक्शन काटने की कार्रवाई कर रहा है।

पुण्यतिथि पर सीडीएस विपिन रावत को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पूर्व सैनिक संगठन द्वारा सोमवार को सीडीएस पार्क कंडोलिया में सीडीएस जनरल विपिन रावत की पुण्यतिथि को शहीद श्रद्धांजलि समारोह के रूप में मनाया गया। इस दौरान सीडीएस जनरल विपिन रावत की मूर्ति पर श्रद्धांजलि देकर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में वीर नारियों को भी सम्मानित किया गया।

सोमवार को सीडीएस पार्क में आयोजित कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार पोरी ने किया। कहा कि सीडीएस रावत ने सेवा के दौरान हमेशा देश की रक्षा के लिए काम किया। उन्होंने युवाओं से उनके जीवन से प्रेरणा लेने पर जोर दिया। कार्यक्रम में किसी भी जिलास्तरीय

अधिकारियों के नहीं आने पर संगठन ने नाराजगी जताई। संगठन के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राणा ने कहा कि शहीदों के कार्यक्रम में जिलास्तरीय अधिकारियों के नहीं आने से उनको निराशा हाथ लगी है। इस मौके पर अतिविशिष्ट अतिथि कर्नल कुलदीप सिरोही ने युवाओं से जनरल विपिन रावत के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। इस मौके पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी मेजर करन रावत, पूर्व पालिकाध्यक्ष यशपाल बेनाम, कर्नल आरएस रावत, नंद किशोर आदि शामिल रहे।

स्टेट जूजित्सु चैंपियनशिप में ऋषिकेश के खिलाड़ियों का जलवा

ऋषिकेश। ऋषिकेश के कराटे खिलाड़ियों ने उत्तराखंड राज्य जूजुत्सु चैंपियनशिप–2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जिसमें ऋषिकेश के सात खिलाड़ियों 11 पदक जीत ऋषिकेश सहित जिला देहरादून का नाम रोशन किया।

गुमानीवाला स्थित उत्तराखंड मार्शल आर्ट एकेडमी की निदेशक प्रज्ञा जोशी ने बताया कि 6–7 दिसंबर को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स हल्द्वानी में उत्तराखंड राज्य जूजुत्सु चैंपियनशिप–2025 प्रतियोगिता हुई। जिसमें ऋषिकेश के सात खिलाड़ियों ने जिले की टीम में भाग लेकर 11 पदक झटके।

जिसमें सृष्टि कृषाली ने एक स्वर्ण एवं एक रजत पदक, नितिका पंत ने एक रजत एवं एक कांस्य पदक, सूर्यांशु ने एक रजत एवं एक कांस्य पदक, उन्नति रावत ने रजत पदक, अश्मिका कुकरेती ने दो कांस्य पदक तथा तेजस सिंह व सौम्या गैरोला ने एक एक कांस्य पदक जीता है। कहा कि राज्य चैंपियनशिप के स्वर्ण एवं रजत पदक विजेता खिलाड़ी इसी महीने आयोजित होने जा रही राष्ट्रीय जूनियर जूजित्सु– 2025 में उत्तराखंड राज्य की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

संचालन से पहले ही इलैक्ट्रिक बसों के विरोध में महासंघ

ऋषिकेश। नेपालीफार्म–ऋषिकेश के बीच 27 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से पहले ही विरोध शुरू हो गया है। शहर की सड़कों की क्षमता का हवाला देते हुए सवारी वाहन यूनियनों ने बसों को गैरजरूरी बताया है। उन्होंने इस कदम से स्थानीय हित धारों का रोजगार प्रभावित होने की दलील समेत अन्य मांग उठाई हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजकर शीघ्र कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। हरिद्वार रोड स्थित टेंपो महासंघ कार्यालय में सवारी वाहन यूनियन सदस्यों की बैठक हुई। प्रदेश अध्यक्ष विनय सारस्वत ने उत्तराखंड शहरी विकास क्षेत्र एजेंसी की ओर से नेपालीफार्म से ऋषिकेश तक 27 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के निर्णय को गलत बताया। कहा कि नगर क्षेत्र में 3,500 ई–रिक्शा और ऑटो संचालित हो रहे हैं। 1,600 टेंपो व ऑटो अलग से हैं। हरिद्वार से भी यहां 2,500 सवारी प्रतिदिन पहुंच रहे हैं। बोले, ऋषिकेश बेहद छोटा शहर है, जिसमें पहली ही सवारी, निजी और अन्य वाहनों की वजह से जाम की स्थिति बनी रहती है। ऐसे में इलेक्ट्रिक सिटी बसों का संचालन न सिर्फ यहां सवारी वाहनों पर निर्भर लोगों के रोजगार को प्रभावित करेगा, बल्कि जाम की समस्या को और भी ज्यादा भीषण कर देगा। उन्होंने बसों और ई–रिक्शा–ऑटो के रजिस्ट्रेशन पर रोक के साथ ही ऑटो–टैंपों के लिए हरिद्वार–ऋषिकेश में परमिट जारी नहीं करने की मांग रखी।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com